■ भाद्रपद कृष्ण - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 24 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 15-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सभी पाठकों, हितैषियों, विज्ञापनदाताओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार 15 अगस्त 2025 को दक्षिण भारत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 17 अगस्त 2025 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फुल आजादी

गलियों में ध्वानों को कुछ भी,
करने की है आजादी।
समझदार को सिर्फ टैक्स ही,
भरने की है आजादी।
प्रतिभाशाली युवा शक्ति को,
मरने की है आजादी।
नेताओं को जनता का हक,
हरने की है आजादी।।

79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन

भारत आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने के मार्ग पर अग्रसर : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की राह पर है और 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लिए पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

मुर्मू ने 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि देश की अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है, महंगाई नियंत्रण में है और निर्यात बढ़ रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा, विदेशी शासन के लंबे वर्षों के बाद, स्वतंत्रता के समय भारत भीषण गरीबी में था। लेकिन उसके बाद के 78 वर्षों में, हमने सभी क्षेत्रों में असाधारण प्रगति की है। भारत एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की राह पर है और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक क्षेत्र में, भारत की उपलब्धियां और भी उल्लेखनीय हैं। पिछले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बन गया।

मुर्मू ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में तनाव के बावजूद, घरेलू मांग तेजी से बढ़ रही है। मुद्रास्फीति काबू में है। निर्यात बढ़ रहा है। सभी प्रमुख संकेतक अर्थव्यवस्था की मजबूती की ओर इशारा कर रहे हैं। उन्होंने आर्थिक मोर्चे पर उपलब्धियों का श्रेय सूझबूझ के साथ किए गए सुधारों, कुशल आर्थिक प्रबंधन, किसानों की कड़ी मेहनत और समर्पण को दिया।

मुर्मू ने कहा, सामाजिक क्षेत्र में किए गए उपायों के साथ चौतरफा आर्थिक वृद्धि ने भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर अग्रसर कर दिया है। अमृत काल में राष्ट्र के आगे बढ़ने के साथ, मैं देखती हूं कि हम सभी अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में

बादल फटने से 38 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

120 लोग अबतक बचाए गए

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर पहाड़ी गांव में बृहस्पतिवार को बादल फटने से सीआईएसएफ के दो जवानों समेत कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य के अब भी फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है और अब तक 120 लोगों को बचा लिया गया है जिनमें 38 की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि मृतकों में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के दो जवान भी शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है जिसमें राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), पुलिस, सेना और स्थानीय स्वयंसेवक सहयोग कर रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मचैल माता मंदिर जाने वाले रास्ते के चशोती गांव में यह आपदा अपराह्न 12 बजे से एक बजे के बीच आई। हादसे के समय मचैल माता यात्रा के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे।

साढ़े नौ हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित मचैल माता मंदिर तक जाने के लिए श्रद्धालु चशोती गांव तक ही मोटर वाहन से पहुंच सकते हैं, उसके बाद उन्हें 8.5 किलोमीटर की पैदल यात्रा करनी होती है।

चशोती गांव किश्तवाड़ शहर से लगभग 90 किलोमीटर दूर है। यहां श्रद्धालुओं के लिए लगाया गया एक लंगर (सामुदायिक रसोईघर) इस घटना से सबसे ज़्यादा प्रभावित हुआ। बादल फटने के कारण अचानक बाढ़ आ गई और दुकानों एवं एक सुरक्षा चौकी सहित कई इमारतें बह गईं।

हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बादल फटने से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने और बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं हैं। स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। बचाव और राहत अभियान जारी है।

'सबूत दें, वोट चोरी' जैसे शब्दों का इस्तेमाल न करें : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं के आंकड़ों में कथित हेराफेरी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लगातार हमलों के बीच बृहस्पतिवार को कहा कि 'वोट चोरी' जैसे गंदे शब्दों का इस्तेमाल करके झूठे विमर्श गढ़ने के बजाय सबूत दिए जाने चाहिए।

आयोग ने एक बयान में कहा कि एक व्यक्ति एक वोट का कानून 1951-1952 में हुए पहले चुनावों से ही अस्तित्व में है।

बयान में कहा गया है, यदि किसी के पास इस बात के सबूत हैं कि किसी व्यक्ति ने किसी चुनाव में दो बार मतदान किया है, तो उसे भारत के सभी मतदाताओं को बिना किसी सबूत के 'चोर' बताने के बजाय लिखित हलफनामे के साथ वे सबूत आयोग के साथ साझा करने चाहिए।

बयान में आगे कहा गया है कि भारतीय मतदाताओं के लिए वोट चोरी जैसे गंदे वाक्यांशों का उपयोग करके झूठा विमर्श गढ़ने की कोशिश करना न केवल करोड़ों भारतीय मतदाताओं बल्कि लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर भी सीधा हमला है।

भारतीय गोताखोर समुद्र में 5,000 मीटर की गहराई तक गया

नई दिल्ली/भाषा। शुभांशु शुक्ला के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बनने के करीब महीने भर बाद, भारत ने इस माह की शुरुआत में अपनी तरह के पहले अभियान में एक गोताखोर को समुद्र में 5,000 मीटर की गहराई तक भेजा।

भारत के महत्वाकांक्षी 'डीप ओशन मिशन' की तैयारी के तहत, फ्रांस के साथ साझेदारी में दो भारतीयों ने पांच और छह अगस्त को फ्रांसीसी पनडुब्बी ''नॉटाइल'' में उत्तरी अटलांटिक महासागर में एक-एक गहरा गोता सफलतापूर्वक लगाया।

अच्छी नींद के लिए सकारात्मक सोच व विचार जरूरी : साध्वी पुण्ययशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरीनगर द्वारा आयोजित 'शक्ति एवं शांति की ओर प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला' का आयोजन साध्वी पुण्ययशा जी के सान्निध्य में किया गया। कार्यशाला का विषय था 'आओ नींद को अपनी ताकत बनाएं'। अध्यक्ष मंजू बोथरा ने सबका स्वागत किया। साध्वी बोधिप्रभाजी ने कहा कि ध्यान, शांति से जीवन जीने की प्रशस्त शैली है। ध्यान अपने अंदर की शक्ति को उजागर करता है। रोजाना ध्यान का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। प्रेक्षा प्रशिक्षिका वीणा बैद ने नींद के रहस्य के वैज्ञानिक कारण बताएं। उन्होंने बताया कि सेरोटोनिन एवं मेलाटोनिन हार्मोन निर्माण की प्रक्रिया को समझाया, जिससे नींद की गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ता है। अच्छी नींद के लिए आहार की जानकारी देते हुए नाइट लाइट के रंगों के चुनाव के बारे में समझाया। साध्वी पुण्ययशा जी ने कहा कि नींद को अपनी ताकत बनाने के लिए अवचेतन मन को प्रशिक्षित कर हम सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। सोने से पूर्व शांति और मैत्री की बहुत ही सुंदर शब्दावली का प्रयोग बतलाया। विशुद्धि केंद्र पर ध्वनि के प्रयोग बताएं, जिससे नींद की गुणवत्ता बढ़ती है एवं व्यवस्थित होती है। मंत्री वंदना भंसाली ने व्यवस्था संभाली। संचालन सहमंत्री पूनम दक ने किया।

प्रभु की स्तुति से मिलती है शाश्वत मुक्ति : संत वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि प्रभु की स्तुति से मिलती है शाश्वत मुक्ति। प्रथम तीर्थंकर परमात्मा श्री ऋषभदेव प्रभु की स्तुति रूप भक्तामर स्तोत्र के माध्यम से कहा कि तीर्थंकर प्रभु स्वयं संसार पार होते हैं और साधक भक्त आत्माओं को भी संसार रूपी सागर से पार लगाते हैं।

प्रभु की भक्ति स्तुति से जीवन में मिलने वाले अद्भुत लाभों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जिनेश्वर भगवान की श्रद्धा पूर्वक भक्ति में करने से साधक आत्मा के पूर्व संचित कर्म अपने आप ही यों क्षण भर में नष्ट हो जाते हैं जैसे कि मयूर की ध्वनि मात्र से ही चंदन वृक्षों के चारों ओर लिपटे हुए सर्प अपने अपने बिलों में घुस जाते हैं। भक्ति में इतनी अपार शक्ति होती है। भक्ति एक अमर गुण है और इसलिए यह गुण आत्मा को भी अमर बना देता है।ङ्गमुनिश्री ने श्रुताचार्य उत्तर भारतीय प्रर्वतक श्री अमर मुनि जी महाराज के उन पर रहे असीम उपकारों को याद करते हुए कहा कि उनकी भक्ति के प्रेम रस का आस्वादन कइयों ने किया है। गुरुदेव के महान उपकारों के कारण ही आज हम आपके समक्ष कुछ बोलने में काबिल बन पाए है। राष्ट्र संत दादा गुरुदेव भण्डारी श्री पदमचन्द्र जी के भी गुण स्मरण करते हुए कहा कि दोनों महापुरुषों के उन पर एवं जिनशासन पर महान् असीम उपकार है, जिन्होंने अपनी ज्ञान, तपस्या, प्रज्ञा साधना शक्ति के बल पर अपनी विविध विधाओं से समस्त जिनशासन एवं श्रमण संघ की प्रगति और संगठन विकास में अपना अपूर्व योगदान दिया। उन्होंने सम्यक प्रणाम पर विवेचना करते हुए कहा कि जो प्रणाम प्रभु के ज्ञान, दर्शन, वीतरागता को देखकर किया जाता है वो है सम्यक प्रणाम। जो आत्मा के परिणामों को बदल देता है वो अशुभ भावों को शुभ में बदल देता है और आगे उत्तरोत्तर वृद्धि विकास की दिशा में शुभ से शुद्धतम की ओर ले जाता है। प्रारंभ में रूपेश मुनि जी ने भावपूर्ण रचना प्रस्तुत की। उपप्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने सबको मंगल पाठ प्रदान किया। कार्यक्रम संचालन राजेश मेहता ने किया।

सकरा आईकेओसी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्वास्थ्य चिकित्सा क्षेत्र में अग्रणी सकरा आईकेओसी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ने अपने नए अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवा सुविधा केंद्र का शुभारंभ किया। शहर के एचएसआर लेआउट में शुरू हुए सकरा आईकेओसी में अत्याधुनिक तकनीक, उन्नत चिकित्सा इन्फ्रास्ट्रेक्चर और विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध होंगे। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुलभ, व्यक्तिगत और रोगी-केंद्रित बनाना है।

उद्घाटन समारोह में कर्नाटक सरकार के बड़े एवं मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल, प्रबंध निदेशक युइची नागानो, उप प्रबंध निदेशक केई इयामा, समूह मुख्य परिचालन अधिकारी लवकेश कुमार फासू, संस्थापक एवं अध्यक्ष आईकेओसी डॉ. चंद्रशेखर पी. आदि उपस्थित थे।

डॉ चन्द्रशेखर ने बताया कि यह अस्पताल ऑर्थोपेडिक्, स्पाइन, जनरल सर्जरी, न्यूरोसर्जरी, ईएनटी, प्लास्टिक और कॉस्मेटिक्स आदि सहित कई प्रकार की विशेष सेवा प्रदान करेगा। उन्नत डायग्नोस्टिक उपकरणों, रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सुविधा वाले मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और क्रिटिकल केयर यूनिट्स से सुसज्जित, सकरा आईकेओसी को सामान्य और जटिल, दोनों तरह के चिकित्सा मामलों को संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

बोलने से पहले अपने बोल को तोल लेना चाहिए : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि बोली बहुत अनमोल होती है, इसलिए सभी के साथ अच्छा बोलो। अगर अच्छा बोलोगे तो तुम्हारे साथ भी अच्छा ही होगा। बुरा बोलोगे तो बुरा ही सुनने को मिलेगा। बोलने से पहले अपने बोल को तोल लेना चाहिए। बोलने के बाद तोलने का कोई मतलब नहीं निकलेगा। वर्तमान में मनुष्य के गलत बोलने की वजह से ही रिश्ते नाते टूट रहे हैं। संसार की सभी समस्याएं भाषा के विवेक पर ही निर्भर करती हैं।उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से संतश्री ने बताया कि मनुष्य को जितना अनुभव होगा वह उतना गंभीर रहेगा। जहां जरूरी हो वहीं बोलना चाहिए। संतश्री ने कहा कि मनुष्य की उम्र घट रही है, लेकिन पाप नहीं घट रहा है। लालच बढ़ता जा है। मनुष्य की इच्छा हमेशा बढ़ती है, जो घटनी चाहिए वो बढ़ती है। समय के हिसाब से मनुष्य का चेहरा बदल जाता है। व्यक्ति जवान से बूढ़ा हो जाता है। ऐसा समय भी आता है जब मनुष्य का शरीर बिल्कुल साथ नहीं देता है।

पास में पानी होता है लेकिन वह लेकर पी नहीं पाता है। इसलिए कहते हैं कि कर्म किसी को नहीं छोड़ता है। मनुष्य की तो बात अलग है कर्म भगवान को भी नहीं छोड़ते हैं। बुरे कर्मों का उदय जब होता है तो रोने से भी छुटकारा नहीं मिलता है। संतश्री ने कहा कि जब तक मनुष्य अपने मन को नहीं समझाएगा, तब तक उसे और चाहिए ही चाहिए। याद रखें कि आपको वही वापस मिलेगा जो आप आज दे रहे हैं।अगर अच्छा चाहिए तो पुण्य कीजिए।महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

परिग्रह पाप नहीं, अपितु उस पर आसक्ति पाप है : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इन्दुप्रभाजी ने कहा कि परिग्रह पाप नहीं है। गृहस्थ के लिए परिग्रह आवश्यक माना गया है। परिग्रह पर आसक्ति पाप है। परिग्रह पर आसक्ति से कई पाप श्रृंखलाएं जुड़ी होती है। भरत एक चक्रवर्ती होते भी अपरिग्रही कहे गए क्योंकि मूर्च्छा भाव से मुक्त थे और मात्र कर्तव्य निर्वाहन कर रहे थे। साध्वी वृद्धिप्रभाजी ने कहा कि गुरु भगवंत श्रेष्ठ अतिथि होते हैं। प्रत्येक अतिथि के लिए हम भोजन करते वक्त आमंत्रण, मनुहार और अतिथि को धन्यवाद देने के भाव रखें। भावना भाते वक्त विवेक भी जरूरी है। भोजन का श्रेष्ठ आसान पालथी लगाकर बैठना है। अपने घरों में हम स्नान, श्रृंगार, शयन, रसोई, भोजन कक्ष रखते हैं तो धर्म आराधना कक्ष भी रखना चाहिए । धर्म से घर में अमन रहता है और सभी ग्रह अनुकूल हो सकते हैं। होम थिएटर की संस्कृति से चरित्र की रक्षा मुश्किल है। प्रवचन सभा में संतोषबाई रातड़िया मुथा के 20 उपवास के प्रत्याख्यान लेने पर संघ की ओर से अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने सम्मान किया। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए बताया कि अगले प्रवचनों में क्रमशः स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी, तप अभिनंदन समारोह मनाए जाएंगे । साध्वीश्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

दर्पण फाउंडेशन का पचासवां उपनिषद आज

https://tinyurl.com/SSY-Upanidhad-live

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । भारत के उन्यासीवें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दर्पण फाउंडेशन का पचासवां उपनिषद सहज स्मृति योग दर्शन के प्रणेता गुरुजी नंदकिशोर और फ्लोरिडा अमेरिका में अपनी कंपनी के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई पर ले जाने वाले राजस्थान मूल के डॉक्टर परीक्षित सिंह के मध्य सनातन धर्म और स्वाधीनता विषय पर आयोजित होगा।कार्यक्रम का संचालन जेएनयू में ढाई दशक अंग्रेजी के प्रोफ़ेसर और शिमला स्थित आईआईएएस के निदेशक रहे ख्यातनाम लेखक, कवि, स्तंभकार मकरंद परांजपे करेंगे। यह उपनिषदिक संवाद यूट्यूब तथा अन्य सोशल मीडिया पर सीधा प्रसारित होगा। इसमें सभी भाग ले सकते हैं ।

सही शिक्षा और सहज स्वास्थ्य सहज स्मृति योग दर्शन के मूल मंत्र हैं। मूलतः मानवता के अपने मानव जीवन की मूल प्राथमिकताओं के भ्रमवश भूल जाने से फैली दिशा हीनता को दूर कर, उसको उसकी प्राथमिकताओं का अनुभूति जन्य स्मरण कराने के लिए ही जन्मे इस दर्शन ने संवाद के साथ ही संवाद की निरंतरता अधिक जोर दिया है। दर्पण फाउंडेशन की यह संवाद श्रृंखला इसी सिद्धांत का जीवंत उदाहरण है।

एनपीसीआई धोखाधड़ी पर लगाम लगाने को लेकर यूपीआई भुगतान अनुरोध की सुविधा बंद करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने के लिए भुगतान ऐप के जरिये पैसा मांगने के अनुरोध की सुविधा बंद करेगा। बैंकों और भुगतान ऐप से एक अक्टूबर से यूपीआई के जरिये व्यक्तियों के बीच (पी2पी) 'कलेक्शन' यानी भुगतान अनुरोध की सुविधा बंद करने का कहा गया है। एनपीसीआई ने 29 जुलाई को जारी एक परिपत्र में कहा कि एक अक्टूबर, 2025 से यूपीआई में पी2पी 'कलेक्शन' की प्रक्रिया की अनुमति नहीं होगी।

इसका मतलब है कि बैंकों और भुगतान ऐप से 'कलेक्शन' अनुरोध की सुविधा उक्त तिथि से पूरी तरह से हटा दी जाएगी। पी2पी सुविधा का उपयोग अन्य यूपीआई ऐप उपयोगकर्ताओं को पैसे के लिए अनुरोध भेजने के लिए किया जाता है। इससे उन्हें राशि साझा करने की याद दिलाई जाती है। हालांकि, इस सुविधा का उपयोग धोखाधड़ी करने वाले यूपीआई उपयोगकर्ताओं को धोखा देने के लिए कर रहे हैं। एनपीसीआई ने कहा, सभी सदस्य बैंकों, भुगतान सेवा प्रदाताओं और यूपीआई ऐप को अपनी प्रणाली और परिचालन प्रक्रियाओं में आवश्यक बदलाव करने का निर्देश दिया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एक अक्टूबर, 2025 के बाद यूपीआई पर कोई भी पी2पी 'कलेक्शन' से जुड़ा लेनदेन शुरू या प्रसंस्कृत न हो। इस निर्णय का मतलब है कि सभी सदस्य बैंक और यूपीआई ऐप (फोनपे, गूगल पे और पेटीएम आदि) इस समय सीमा के बाद पी2पी कलेक्शन लेनदेन का प्रसंस्करण नहीं कर पाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी स्वतंत्रता दिवस पर लगातार 12वीं बार लाल किले की प्राचीर से देंगे भाषण

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस पर लगातार 12वीं बार लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री का यह संबोधन ऐसे समय पर हो रहा है जब 'ऑपरेशन सिंदूर' को कुछ महीने ही हुए हैं और विपक्षी दल चुनाव में कथित गड़बड़ियों को लेकर एकजुट होकर उनकी सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। मोदी इस अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास और अपने कार्यकाल में कल्याणकारी मॉडल के विस्तार पर भारत के अडिग रुख को रेखांकित कर सकते हैं। साथ ही वह व्यापार पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के प्रति प्रतिकूल रुख से उत्पन्न आर्थिक और विदेशी संबंधों की अनिश्चितता के माहौल पर भी बोल सकते हैं।

हिमाचल में अचानक बाढ़ और भूस्खलन से तबाही

मकान क्षतिग्रस्त, 396 सड़कें बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। यहां 396 सड़कें बाधित हैं, अनेक मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, वाहन बह गए हैं और शिमला की कई पंचायतों से संपर्क टूट गया है। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी प्रकार की जनहानि की खबर नहीं है।

बुधवार रात से कंडाघाट में 100 मिमी, जत्तन बैराज में 87 मिमी, ऊना में 85.4 मिमी, सोलन में 81.4 मिमी, ओलिंडा में 76 मिमी, शिलारू में 73 मिमी, शिमला में 69 मिमी, कुफरी में 66 मिमी, जुब्बरहट्टी में 65.2 मिमी, कसौली में 62 मिमी, कोठी में 61.2, मुराई देवी में 51.8 और धर्मपुर में 50.2 मिमी बारिश हुई है। स्थानीय मौसम कार्यालय ने 20 अगस्त तक राज्य में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी देते हुए 'येलो' अलर्ट जारी किया है। बुधवार शाम को शिमला, कुल्लू, किन्नौर और लाहौल एवं स्पीति जिलों में कई स्थानों पर बादल फटने और अचानक बाढ़ आने की घटनाएं हुईं। बुधवार रात को कुल्लू जिले के निरमंड उपमंडल में श्रीखंड पहाड़ी पर, बंजार उपमंडल में तीर्थन घाटी की बाथाढ़ पहाड़ी पर तथा शिमला के रामपुर क्षेत्र में नंती में बादल फटने की घटना हुई। अधिकारियों ने कहा, श्रीखंड पहाड़ी पर बादल फटने के कारण कुर्पन घाटी में बाढ़ आ गई और प्रशासन ने बागीपुल बाजार को तुरंत खाली करा लिया। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थन नदी के किनारे बनी कुछ झोपड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं और कुछ वाहन बह गए।

ज्ञान और क्रिया के साथ की गई आराधना सदैव सफल : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमें अपनी धार्मिक क्रिया में स्थिरता का गुण लाना है। प्रभु की भक्ति करते समय हमें प्रभु के गुणों का ध्यान करते हुए स्थिर होना है। स्थिरता लाकर हमें प्रभु में एकाकार हो जाना है। ब्रह्मचारी और तपस्वी बनना तो आसान है लेकिन उसके बाद मन में आने वाले अहंकार को रोकना मुश्किल है, उस समय हमारी स्थिरता टूट जाती है। ज्ञान और क्रिया के साथ हमें आराधना करनी चाहिए। सिर्फ ज्ञान अथवा सिर्फ क्रिया से हमारी आराधना सफल नहीं होती है। हमें शुद्ध आराधना करनी है। हमें स्थिरता से मग्नता और मग्नता से पूर्णता की ओर बढ़ना है। गुरुवर्याश्री के दर्शन हेतु आज हैदराबाद से विक्रम दड्डा के नेतृत्व में ज्ञान वाटिका के बच्चे आए और गुरुवर्याश्री के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, ज्ञान वाटिका के राष्ट्रीय चेयरमैन विजयराज डोसी के साथ बसवनगुड़ी की ज्ञान वाटिका की अध्यापिकाएं भी उपस्थित थीं।

साइबर जुझारूपन के लिए क्षमता निर्माण पर लगातार जोर देना जरूरी : सेबी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रतिभूति बाजार में साइबर जुझारूपन और घटनाओं से निपटने की पेशेवरों की क्षमता को मजबूत बनाने के लिए लगातार क्षमता निर्माण कार्यक्रम चलाने जरूरी हैं।

पांडेय ने सेबी-विनियमित संस्थाओं के लिए 'राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान' में आयोजित एक साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम में कहा कि क्षमता निर्माण कोई एकबारगी प्रक्रिया या औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह सीखने, लगातार सुधार करने और बदलते खतरों के अनुरूप ढलने की सतत प्रक्रिया है। उन्होंने आगाह किया कि छोटी-सी तकनीकी खामी के भी गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी एल्गो ट्रेडिंग व्यवस्था में छोटी गड़बड़ी भी होने से पल भर में बाजार में उथलपुथल मच सकती है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि 2012 में अमेरिका की नाइट कैपिटल कंपनी के नए सॉफ्टवेयर में पुराना कोड रह जाने से 45 मिनट में ही अरबों डॉलर के गलत लेनदेन हो गए थे जिससे कंपनी को 44 करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ और बाद में उसका पतन हो गया। सेबी प्रमुख ने कहा कि साइबर हमले अब अलग-थलग घटना नहीं रह गए हैं और अगले दशक में इनकी गिनती शीर्ष पांच वैश्विक खतरों के रूप में की गई है। उन्होंने शेयर बाजार, समाशोधन निगम और डिपॉजिटरी जैसी 'राष्ट्रीय महत्व की बुनियादी संरचनाओं' की साइबर सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि इनका सुचारू संचालन पूंजी निर्माण, निवेशक भरोसे और आर्थिक स्थिरता के लिए आवश्यक है। पांडेय ने कहा कि तेजी से बदलते साइबर सुरक्षा परिदृश्य में 'रोकथाम इलाज से कहीं सस्ता' है और प्रौद्योगिकी जितनी अहम है, उतना ही जरूरी मानवीय सतर्कता है।

छोटी-सी तकनीकी खामी के भी गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

एसएंडपी ने भारत की साख को बढ़ाकर 'बीबीबी' किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बृहस्पतिवार को भारत की साख को स्थिर परिदृश्य के साथ बढ़ाकर 'बीबीबी' कर दिया। रेटिंग एजेंसी ने मजबूत आर्थिक वृद्धि, राजकोषीय मजबूती के लिए राजनीतिक प्रतिबद्धता और महंगाई को काबू में लाने के लिए बेहतर मौद्रिक नीति उपायों का हवाला देते हुए 19 साल बाद भारत की रेटिंग बढ़ायी है।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा, भारत दुनिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है...पिछले पांच-छह साल में सरकारी खर्च की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। एसएंडपी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर अमेरिकी शुल्क का असर प्रबंधन के दायरे में होगा। भारत पर अगर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया जाता है तो इससे वृद्धि पर कोई बड़ा असर पड़ने की आशंका नहीं है।

एजेंसी ने कहा, भारत व्यापार पर अपेक्षाकृत कम निर्भर है और इसकी लगभग 60 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि घरेलू खपत से आती है।

अमेरिकी एजेंसी की रेटिंग में यह सुधार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत को 'मृत अर्थव्यवस्था' कहे जाने के कुछ दिन बाद आया है।

रेणुकास्वामी के पिता ने अभिनेता दर्शन की जमानत रद्द किए जाने के फैसले की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/चित्रदुर्ग। रेणुकास्वामी की हत्या के मामले में अभिनेता दर्शन को दी गई जमानत रद्द किए जाने के बाद मृतक के परिवार ने उच्चतम न्यायालय के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे न्याय में उनका विश्वास मजबूत हुआ है। शीर्ष अदालत ने अधिकारियों को दर्शन और मामले के अन्य आरोपियों को तुरंत हिरासत में लेने का निर्देश दिया और मुकदमे की सुनवाई शीघ्रता से करने का आदेश दिया।

रेणुकास्वामी के पिता शिवनगौड़ा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''उच्चतम न्यायालय द्वारा अभिनेता दर्शन की जमानत रद्द किए जाने के बाद सरकार, न्यायपालिका और पुलिस में हमारा विश्वास बढ़ा है। हम सरकार का आभार व्यक्त करते हैं। हमारा उद्देश्य अपराधी को सजा दिलाना है। इससे मेरे बेटे की आत्मा को शांति मिलेगी जिसकी हत्या कर दी गई थी।''

उन्होंने कहा कि 'जमानत रद्द किए जाने से हमें भरोसा हुआ है कि कानून सबके लिए समान है, चाहे वह अमीर हो, ताकतवर हो या गरीब।' यह फैसला दर्शन और सह-आरोपियों को जमानत देने के राज्य उच्च न्यायालय के 13 दिसंबर, 2024 के आदेश के खिलाफ कर्नाटक सरकार द्वारा दायर याचिका पर सुनाया गया। दर्शन पर अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा और कई अन्य लोगों के साथ मिलकर 33 वर्षीय रेणुकास्वामी नामक एक प्रशंसक का अपहरण करने और उसे प्रताड़ित करने का आरोप है। रेणुकास्वामी ने पवित्रा को कथित तौर पर अश्लील संदेश भेजे थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि रेणुकास्वामी को जून 2024 में तीन दिन तक बेंगलूरु के एक 'शेड' में रखा गया, प्रताड़ित किया गया और उसका शव एक नाले से बरामद हुआ। अदालत के आदेश के बाद दर्शन को बेल्लारी जेल में स्थानांतरित किए जाने के संकेतों के बीच कारागार की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

सूत्रों ने बताया कि उच्च सुरक्षा वाली एक कोठरी तैयार की गई है और पहले परिसर की जिस दीवार पर दर्शन के प्रशंसक उनकी एक झलक पाने के लिए चढ़ गए थे, उसे 25 फुट ऊंचा कर दिया गया है ताकि कोई अप्रिय घटना नहीं हो। अधिकारियों ने बताया कि दर्शन को जेल में लाए जाने की संभावना के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ाए जाने के साथ-साथ स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण की तैयारियां भी की जा रही हैं।

कन्नड़ अभिनेता दर्शन रेणुकास्वामी मामले में न्यायालय की ओर से जामनत रद्द किए जाने के बाद गिरफ्तार

बेंगलूरु। कर्नाटक के चर्चित रेणुकास्वामी हत्या मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा जमानत रद्द किए जाने के बाद कन्नड़ अभिनेता दर्शन को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। दर्शन की गिरफ्तारी से कुछ देर पहले ही मामले की मुख्य आरोपी और उनकी मित्र अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा को पुलिस हिरासत में लिया था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दर्शन को बेंगलूरु के होसाकेरेहल्ली स्थित उनकी पत्नी विजयलक्ष्मी के घर से गिरफ्तार किया गया। सूत्रों ने बताया कि अभिनेता गिरफ्तारी से बचना चाहता थे और अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करना चाहता थे, लेकिन पुलिस को उनके ठिकाने की जानकारी मिल गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

उच्चतम न्यायालय ने हत्या के मामले में अभिनेता दर्शन की जमानत रद्द की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नईदिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने रेणुकास्वामी हत्याकांड मामले में अभिनेता दर्शन और अन्य आरोपियों को दी गई जमानत रद्द करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि मशहूर हस्तियां ऐसी 'रोल मॉडल' होती हैं जिन पर बड़ी जिम्मेदारी होती है। न्यायालय ने आरोपियों को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। जमानत देने संबंधी उच्च न्यायालय के आदेश को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि कानून के शासन द्वारा संचालित लोकतंत्र में किसी भी व्यक्ति को उसकी स्थिति या ''सामाजिक रसूख'' के आधार पर कानूनी जवाबदेही से छूट नहीं दी जा सकती।

पीठ ने कहा, ''भारत का संविधान अनुच्छेद 14 के तहत कानून के समक्ष समानता सुनिश्चित करता है, और यह अनिवार्य करता है कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी धनी, प्रभावशाली या लोकप्रिय क्यों न हो, कानून से छूट का दावा नहीं कर सकता। मशहूर हस्ती होने का दर्जा किसी आरोपी को कानून से ऊपर नहीं उठा देता, न ही उसे जमानत देने जैसे मामलों में तरजीही व्यवहार का अधिकार देता है।''

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पिछले साल 13 दिसंबर को अभिनेता और मामले के अन्य आरोपियों को जमानत दे दी थी। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के आदेश में ''गंभीर खामियों'' की ओर इशारा किया। इसने कहा, ''आईपीसी की धारा 302 के तहत अपराध की गंभीरता और साजिश के आरोप के बावजूद, उच्च न्यायालय जांच के दौरान एकत्र की गई दोषपूर्ण सामग्री पर विचार करने में विफल रहा।'' शीर्ष अदालत ने कहा कि चाहे आरोपी 140 दिन से अधिक समय तक हिरासत में रहे हों या रिहाई के बाद उन्होंने अच्छा आचरण प्रदर्शित किया हो, इससे जमानत का आदेश सतत नहीं हो जाता, विशेष रूप से, जमानत देने के चरण में भौतिक कारकों पर विचार न किए जाने के कारण।

उच्चतम न्यायालय ने वर्तमान मामले में षड्यंत्र, हत्या, साक्ष्य नष्ट करने और साक्ष्य गायब करने के आरोपों की मौजूदगी को भी रेखांकित किया। बताया गया कि जमानत मुख्य रूप से अभिनेता की कथित गंभीर चिकित्सा स्थिति के आधार पर दी गई थी। हालांकि, उनके मेडिकल रिकॉर्ड और उसके बाद के आचरण की जांच करने के बाद उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यह याचिका भ्रामक, अस्पष्ट और अत्यधिक बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई है।

पीठ ने कहा, ''लोकप्रियता दंड से मुक्ति का कवच नहीं हो सकती। जैसा कि इस न्यायालय ने कहा है, प्रभाव, संसाधन और सामाजिक स्थिति जमानत देने का आधार नहीं बन सकते, जहां जांच या मुकदमे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का वास्तविक खतरा हो।''

न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कहा, ''यह फैसला यह संदेश देता है कि आरोपी चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, वह कानून से ऊपर नहीं है।'' उन्होंने कहा, इसमें एक कड़ा संदेश है कि किसी भी स्तर पर न्याय प्रदान करने वाली प्रणाली को किसी भी कीमत पर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कानून का शासन कायम रहे। कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर या नीचे नहीं है। न ही हम इसका पालन करते समय किसी की अनुमति मांगते हैं। समय की मांग है कि हर समय कानून का शासन कायम रहे।'' शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को जेल में बंद आरोपियों को विशेष सुविधा प्रदान करने के प्रति भी आगाह किया।

अदालत ने कहा, ''जिस दिन हमें यह पता चला कि आरोपियों को पांच सितारा सुविधाएं दी जा रही हैं तो पहला कदम अधीक्षक और अन्य सभी अधिकारियों को निलंबित करने का होगा।''

यह फैसला कर्नाटक सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर अपील पर आया है। दर्शन पर अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा और कई अन्य लोगों के साथ मिलकर 33 वर्षीय रेणुकास्वामी नामक एक प्रशंसक का अपहरण करने और उसे प्रताड़ित करने का आरोप है। रेणुकास्वामी ने पवित्रा को कथित तौर पर अश्लील संदेश भेजे थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि रेणुकास्वामी को जून 2024 में तीन दिन तक बेंगलूरु के 'एक शेड' में रखा गया, प्रताड़ित किया गया और उसका शव एक नाले से बरामद हुआ।

दर्शन को जेल में सुविधा देने पर न्यायालय की टिप्पणी से डीजीपी को सावधान रहना चाहिए : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को कहा कि जेल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को कन्नड़ अभिनेता दर्शन तुगुदीप को कारागार में कथित तौर पर पांच सितारा सुविधाएं दिए जाने के संबंध में उच्चतम न्यायालय की कड़ी टिप्पणियों के मद्देनजर सावधानी बरतनी चाहिए। रेणुकास्वामी हत्या के मामले में दर्शन एवं अन्य आरोपियों की जमानत खारिज करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले के बारे में परमेश्वर संवाददाताओं के सवालों का जवाब दे रहे थे। राज्य के गृह मंत्री ने कहा, ''डीजीपी जेल को आदेश मिल गया होगा। अदालत की कड़ी टिप्पणियों के बाद उन्हें अपना कर्तव्य सावधानी से निभाना चाहिए।''

परमेश्वर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि देश में कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है और सभी को देश के कानून का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें आदेश का सम्मान करना चाहिए। उनके (आरोपियों) पास अपनी कानूनी लड़ाई जारी रखने का विकल्प है, जो वे कर सकते हैं।'' दर्शन की जमानत याचिका पर सरकार के रुख के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा कि विधि विभाग ने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर ली है।

शीर्ष अदालत ने कर्नाटक सरकार को जेल में बंद आरोपियों को विशेष सुविधा प्रदान किए जाने पर आगाह किया। इसमें कहा गया है, जिस दिन हमें पता चलेगा कि आरोपियों को पांच सितारा सुविधाएं दी जा रहीं है, तो पहला कदम सभी अन्य अधिकारियों के साथ अधीक्षक को निलंबित करना होगा। यह फैसला दर्शन और सह-आरोपियों को जमानत देने के उच्च न्यायालय के 13 दिसंबर, 2024 के आदेश के खिलाफ कर्नाटक सरकार द्वारा दायर याचिका पर सुनाया गया। उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि 'ए2' (दर्शन) कोई सामान्य विचाराधीन कैदी नहीं है। अभिनेता को सेलिब्रिटी का दर्जा, भारी लोकप्रियता, राजनीतिक रसूख और आर्थिक ताकत हासिल है। जेल के अंदर उनका आचरण हिरासत में रहते हुए भी व्यवस्था की अवहेलना करने की उनकी क्षमता को दर्शाता है।

रेणुकास्वामी हत्याकांड : अभिनेत्री पवित्रा को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेणुकास्वामी हत्याकांड की मुख्य आरोपी कन्नड अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा को उच्चतम न्यायालय द्वारा उनकी जमानत रद्द किए जाने के बाद बृहस्पतिवार को पुलिस हिरासत में ले लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हत्या के सभी आरोपियों की जमानत रद्द होने की खबर आने के बाद एक टीम गौड़ा के घर पहुंच गई और उन्हें हिरासत में ले लिया गया। कन्नड अभिनेता दर्शन को पुलिस ने अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है, लेकिन उन्हें बृहस्पतिवार को कर्नाटक-तमिलनाडु सीमा पर पुनाजनूर जांच चौकी पर अपनी गाड़ी में देखा गया।

उच्चतम न्यायालय ने अभिनेता दर्शन और हत्या के मामले में अन्य आरोपियों को दी गई जमानत बृहस्पतिवार को रद्द कर दी। शीर्ष अदालत ने अधिकारियों को दर्शन और अन्य आरोपियों को तुरंत हिरासत में लेने का निर्देश दिया और मुकदमे की सुनवाई शीघ्रता से करने का आदेश दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पवित्रा के प्रशंसक 33 वर्षीय रेणुकास्वामी ने उन्हें अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे नाराज दर्शन ने कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी। रेणुकास्वामी का शव 9 जून, 2024 को सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के बगल में एक नाले के पास मिला था।

पुलिस सूत्रों ने कहा कि मामले में आरोपी संख्या एक पवित्रा गौड़ा रेणुकास्वामी की हत्या का मुख्य कारण' थी। उन्होंने दावा किया कि जांच से यह साबित हो गया है कि उसने अन्य आरोपियों को उकसाया, उनके साथ साजिश रची और अपराध में भाग लिया।

कानून के समक्ष सब बराबर हैं : राम्या ने दर्शन की जमानत रद्द किए जाने पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अभिनेत्री राम्या उर्फ दिव्या स्पंदना ने रेणुकास्वामी हत्या मामले में अभिनेता दर्शन और पवित्रा गौड़ा को दी गई जमानत रद्द करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले की सराहना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह एक कड़ा संदेश है कि कानून के समक्ष सभी समान हैं।

राम्या ने इंस्टाग्राम पर लिखा, रेणुकास्वामी हत्या मामले में दर्शन और अन्य की जमानत रद्द करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले से एक कड़ा संदेश गया है- कानून के सामने सभी समान हैं। उन्होंने लोगों से न्याय व्यवस्था में विश्वास बनाए रखने की अपील करते हुए कहा, उचित प्रक्रिया का पालन करें, न्याय व्यवस्था में विश्वास बनाए रखें। यह लंबा और कठिन है, लेकिन सुरंग के अंत में रोशनी जरूर होती है। कानून को अपने हाथ में न लें, न्याय जरूर मिलेगा। सबसे जरूरी बात, अपनी अंतरात्मा के प्रति सच्चे रहें। इससे पहले दिन में न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के जमानत देने के आदेश को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि इसमें ''कई त्रुटियां'' हैं। शीर्ष अदालत ने अधिकारियों को दर्शन और अन्य आरोपियों को तुरंत हिरासत में लेने का निर्देश दिया और मुकदमे को शीघ्रता से चलाने का आदेश दिया। पुलिस के अनुसार, पीड़ित को जून 2024 में तीन दिन तक यातना दी। बाद में उसका शव एक नाले से बरामद किया गया।

रजनीकांत को सिनेमा में 50 साल पूरे करने पर कमल हासन एवं अन्य लोगों ने शुभकामनाएं दीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। अभिनेता रजनीकांत के सिनेमा में 50 साल पूरे होने के मौके पर साथी कलाकारों ने उन्हें मुबारकबाद दी। अदाकारी की दुनिया में रजनीकांत के 50 साल पूरे होने के मौके पर उनकी नई फिल्म कुली' भी रिलीज हुई है। रजनीकांत ने के. बालाचंदर की तमिल फिल्म अपूर्व रागंगल से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जो 15 अगस्त 19%5 को रिलीज़ हुई। इस फिल्म में कमल हासन, सुंदरराजन, श्रीविद्या और जयासुधा ने भी अभिनय किया। रजनीकांत के साथ उनकी पहली फिल्म में काम करने वाले कमल हासन ने सोशल मीडिया पर कहा, सिनेमा में आधी सदी का शानदार योगदान। मेरे प्रिय मित्र रजनीकांत आज सिनेमा में शानदार 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। मैं कामना करता हूं कि उनकी नई फिल्म 'कुली' को स्वर्ण जयंती वर्ष में जबरदस्त वैश्विक सफलता मिले।

अभिनेता मोहनलाल ने भी कहा, पर्दे पर बेजोड़ करिश्मा, समर्पण और जादू के पचास साल! इस यादगार उपलब्धि के लिए एकमात्र रजनीकांत सर को बधाई। 'कुली' और आगे भी कई यादगार पलों के लिए शुभकामनाएं। अभिनेता ममूटी ने एक्स' पर कहा, सिनेमा में 50 शानदार साल पूरे करने पर प्रिय रजनीकांत को हार्दिक बधाई। आपके साथ स्क्रीन साझा करना वास्तव में सम्मान की बात थी। आपको 'कुली' के लिए शुभकामनाएं। हमेशा प्रेरित करते रहें और चमकते रहें। उन्होंने 1991 में आई फिल्म थलपथी में रजनीकांत के साथ काम किया था। कुली के निर्देशक लोकेश कनगराज ने कहा, मैं तहे दिल से आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने हम सभी को लगातार प्रेरित किया है और आपको 50 गौरवशाली वर्षों की हार्दिक बधाई, जिसमें आपने हमें प्यार करना सिखाया, हमने आपसे सीखा, और आपके साथ बड़े हुए!

ऋतिक रोशन ने भी 'एक्स' पर एक पोस्ट के साथ रजनीकांत को बधाई दी। उनकी फिल्म 'वॉर 2' सुपरस्टार की 'कुली' के साथ रिलीज हुई है। रोशन ने 1986 में आई फिल्म 'भगवान दादा' में रजनीकांत के साथ बाल कलाकार के तौर पर काम किया था। रोशन ने सुपरस्टार को 'अपना शिक्षक' बताया।

उन्होंने कहा, एक अभिनेता के रूप में मैंने अपने पहले कदम आपके साथ रखे। आप मेरे पहले शिक्षकों में से एक थे, रजनीकांत सर, और आज भी मेरे लिए प्रेरणा और आदर्श बने रहेंगे। पर्दे पर जादू के 50 साल पूरे करने पर बधाई! अभिनेता शिवकार्तिकेयन ने अभिनेता धनुष और प्रियंका मोहन के साथ कुली की स्क्रीनिंग में शामिल हुए थे। उन्होंने भी सुपरस्टार के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की।

धर्मस्थल शिकायतकर्ता के दावे झूठे होने पर कार्रवाई की जा सकती : मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में कहा कि यदि विशेष जांच दल (एसआईटी) को पता चलता है कि धर्मस्थल में सामूहिक रूप से 'दफन करने' के मामले में शिकायतकर्ता-गवाह के आरोप झूठे हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई जा सकती है। निष्पक्ष जांच पर जोर देते हुए परमेश्वर ने कहा, इसमें कोई राजनीति या धर्म शामिल नहीं होना चाहिए। सच्चाई कानून के दायरे में सामने आनी चाहिए। उनकी यह टिप्पणी विधानसभा में एक चर्चा के दौरान आई, जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने जांच के संबंध में सरकार के रवैये की आलोचना की तथा धर्मस्थल और वहां के मंदिर को निशाना बनाकर चलाए जा रहे झूठे अभियान के खिलाफ कार्रवाई न करने का आरोप लगाया।

विधायकों ने अंतरिम रिपोर्ट और शिकायतकर्ता तथा उसके पीछे कथित रूप से शामिल अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए दावा किया कि ये आरोप हिंदू देवताओं और उनके पूजा स्थलों को बदनाम करने के लिए एक टूलकिट का हिस्सा हैं। राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में सामूहिक हत्या, बलात्कार और सामूहिक रूप से दफनाने के दावों की जांच कर रहा है। परमेश्वर ने सदस्यों से अपील करते हुए कहा, मेरा बस यही अनुरोध है कि इस मुद्दे को राजनीतिक या धार्मिक मोड़ नहीं लेना चाहिए। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि सरकार ने किसी दबाव में एसआईटी का गठन नहीं किया है। हम अब तक दबाव के आगे नहीं झुके हैं और भविष्य में भी नहीं झुकेंगे। हमारा ध्यान पूरी तरह से सच्चाई को उजागर करने और न्याय सुनिश्चित करने पर है। उन्होंने कहा, यदि दावे झूठे पाए जाते हैं, तो बीएनएसएस सहित कानून के तहत झूठे आरोप लगाने वालों को दंडित करने के प्रावधान हैं। कोई भी जांच को गुमराह नहीं कर सकता।

उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि इस मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए और धर्मस्थल के दार्शनिक और धार्मिक कार्यों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, हमें धर्मस्थल, धर्माधिकारी और उनके कार्यों में विश्वास है।

कर्नाटक में उप तहसीलदार 20,000 की रिश्वत लेते गिरफ्तार

मंगलूरु। लोकायुक्त पुलिस ने दक्षिण कन्नड़ जिले में बंटवाल तालुका कार्यालय के एक उपतहसीलदार को 20,000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। लोकायुक्त कार्यालय ने बताया कि यह रिश्वत एक बिचौलिए के माध्यम से विरासत रिकॉर्ड बनाने के लिए ली जा रही थी। यह कार्रवाई साजीपमुन्नूर निवासी पुष्पराज की शिकायत पर की गई है जिसने अपनी दिवंगत मां के विरासत रिकॉर्ड के स्थानांतरण के संबंध में 2021 में बंटवाल तालुका कार्यालय में आवेदन किया था।

अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर लोकायुक्त की टीम ने बुधवार को बीसी रोड स्थित एक मंदिर के पास जाल बिछाया और उप तहसीलदार राजेश नाइक को बिचौलिए गणेश के माध्यम से 20,000 रुपये की रिश्वत लेते पकड़ लिया। साथ में प्रथम श्रेणी सहायक संतोष को भी इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक: जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल

बेंगलूरु/मुंबई। जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत पर की गई उस हालिया टिप्पणी पर पलटवार करते हुए जिंदल ने यह बात कही जिसमें ट्रंप ने भारतीय अर्थव्यवस्था को ''बेजान'' बताया था। एनएसई में यहां जेएसडब्ल्यू सीमेंट के सूचीबद्धता समारोह में जिंदल ने कहा कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है और इसका भविष्य उज्ज्वल है।

जिंदल ने कहा, ''हम भारत का भविष्य उज्ज्वल देखेंगे क्योंकि भारत वृद्धि कर रहा है। यह दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। ट्रंप चाहे जो भी कहें, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं।'' व्यापार नीति वार्ता के दौरान ट्रंप ने रूस से सस्ता तेल खरीदने को लेकर निराशा व्यक्त की थी और भारत को ''बेजान अर्थव्यवस्था'' बताया था।

ट्रम्प ने कथित तौर पर कहा था, ''मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता है कि भारत, रूस के साथ क्या करता है। वे दोनों मिलकर अपनी बेजान अर्थव्यवस्थाओं को और नीचे ला सकते हैं।'' जिंदल ने जेएसडब्ल्यू सीमेंट पर बात करते हुए कहा कि यह तेजी से विकास करेगी, क्योंकि त्वरित विकास समूह के 'डीएनए' में है।

उन्होंने कहा, ''हम रूढ़िवादी नहीं हो सकते, हमें आक्रामक होना होगा और भारत को इसी की आवश्यकता है। भारत को आक्रामक कंपनियों की जरूरत है, भारत को वृद्धि की जरूरत है।'' इस बीच, जेएसडब्ल्यू सीमेंट का शेयर अपने निर्गम मूल्य 147 रुपये से चार प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बृहस्पतिवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य से चार प्रतिशत की बढ़त के साथ 153 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 5.23 प्रतिशत चढ़कर 154.70 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 4.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 153.50 रुपये पर शुरुआत की।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-टेंडर नोटिस नं. ऑटो-सिग-वाईपीआर-एएसके दिनांक: 08.08.2025

अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
बंगलुरू और मैसूर मण्डलों के यशवंतपुर-अरसिकेरे खण्ड के बीच ऑटोमैटिक सिग्नलिंग का प्रावधान	₹160,89,45,177.76

निविदाएं प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि: 15.09.2025, 1500 बजे तक

विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in

उप मुख्य सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर/निर्माण, PUB/379/AAD360/PRB/SWR/2025-26 बंगलुरू छावनी

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना का प्रकाशन सं. Auto_Sig-CSDR-PKD दिनांक: 11.08.25

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
बेंगलुरू मण्डल के चन्नसंद्रा-पेनुकोन्डा खण्ड के बीच ऑटोमैटिक सिग्नलिंग का प्रावधान	रू. 139,40,69,610.84

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 22.09.2025 को 11.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

उप मुख्य सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर/निर्माण, बेंगलुरू छावनी

PUB/383/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

'कुली' की रिलीज पर रजनीकांत के प्रशंसकों ने जश्न मनाया

चेन्नई। अभिनेता रजनीकांत अभिनीत बहुप्रतीक्षित, सितारों से सजी फिल्म कुली' बृहस्पतिवार को तमिलनाडु के सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जहां उनके प्रशंसकों ने अपने प्रिय अदाकार की नई फिल्म का जोरदार स्वागत किया। अभिनेता और प्रशंसक फिल्म देखने के लिए उमड़ पड़े और उन्होंने अपने-अपने 'सोशल मीडिया पेज' पर भी अपनी खुशी जाहिर की। गौरतलब है कि रजनीकांत के सिनेमा में 50 साल पूरे होने के अवसर पर यह फिल्म रिलीज हुई है।

'सुपरस्टार' के चाहने वाले प्रशंसकों की भीड़ सिनेमाघरों में सुबह-सुबह इकट्ठी हो गई ताकि वे लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित इस फिल्म को रिलीज के पहले दिन, पहले शो में देख सकें। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित फिल्म की 'विशेष स्क्रीनिंग' देखी। कनगराज ने सोशल मीडिया पर एक संदेश में कहा, माननीय मुख्यमंत्री आपकी शुभकामनाओं और प्यार के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

अभिनेता धनुष और शिवकार्तिकेयन उन तमिल सितारों में शामिल थे जिन्होंने यहां रिलीज के दिन फिल्म देखी। राज्य भर में प्रशंसकों ने फिल्म की रिलीज के अवसर पर ढोल की थाप पर नृत्य किया और पटाखे फोड़े। इस फिल्म में हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता आमिर खान के साथ ही नागार्जुन और उपेन्द्र जैसे कलाकारों ने भी अभिनय किया है। बदले की कहानी पर आधारित इस फिल्म में सत्यराज और श्रुति हासन भी हैं।

फिल्म में अनिरुद्ध आर ने संगीत दिया है और 'मोनिका' सहित इसके सभी गाने चार्टबस्टर बन गए हैं। कनगराज ने फिल्म को 'विशेष' बताया। उन्होंने कहा, कुली मेरे सफर में हमेशा एक खास फिल्म रहेगी और इस फिल्म ने जिस तरह से आकार लिया और सभी ने इसे अपना दिल और प्यार दिया, उसका कारण आप हैं...थलाइवा' रजनीकांत सर। इस अवसर के लिए और फिल्म में और उसके बाहर हमने जो बातचीत की, उसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा!

राजस्थान सरकार बीएसएफ कार्मिकों को आवश्यक सुविधाओं के लिए प्रतिबद्ध : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अदम्य, शौर्य एवं साहस के साथ देश की सीमा पर मुस्तैद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को दुनिया के सबसे बड़े सीमा रक्षक बलों में से एक बताते हुए आश्वस्त किया है कि राज्य सरकार बीएसएफ कार्मिकों एवं उनके परिवारजनों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा 79वें स्वतंत्रता दिवस से पूर्व बीकानेर में खाजूवाला के कोडेवाला आउट पोस्ट (सीमा चौकी) पर बीएसएफ के जवानों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ के जवान अपने अदम्य शौर्य, साहस और बल से बर्फीली वादियों-तपते मरुस्थल सहित देश के हर कोने में दिन-रात मुस्तैदी से सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ अनुशासित एवं देश सेवा में समर्पित दुनिया के सबसे बड़े सीमा रक्षक बलों में से एक है। वे हमारी सीमा पर तस्करी, घुसपैठ जैसे अपराधों को भी मुस्तैदी के साथ नाकाम कर रहे हैं।

उन्होंने बीएसएफ जवानों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बीएसएफ जांबाजों के बीच आकर उन्हें अत्यधिक प्रसन्नता एवं गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल एक दिसंबर 1965 को अपनी स्थापना से ही भारत-पाकिस्तान एवं भारत-बंगलादेश की दुर्गम सीमाओं पर देश की सुरक्षा कर रहा है। बीएसएफ ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय अद्भुत कार्य किया। उन्होंने जवानों को ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने के लिए भी बधाई दी। शर्मा ने कहा कि बीएसएफ का स्थानीय लोगों, संस्थाओं तथा प्रशासन के साथ तालमेल बना रहता है तथा वे सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। बीएसएफ जवान युवाओं में नशे के दुष्प्रभाव, कुरीतियों के प्रति जागरूकता, विभागीय भर्तियों के लिए प्रोत्साहित करने जैसे कार्यक्रमों से सीमावर्ती आबादी को लाभान्वित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ ने हाल में मरुभूमि में साढ़े छह लाख पौधे लगाकर पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने में अपना सराहनीय योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सामाजिक सरोकार की दिशा में देशभर में स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढाओ अभियान, एक पेड़ मां के नाम अभियान संचालित किए गए। उसी से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार द्वारा मिशन हरियालो राजस्थान शुरू किया गया है, जिसमें इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया था जिसमें से 9 करोड़ 12 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सेना के साथ ही अर्द्ध सैनिक बलों के आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। जिससे आज हम रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर हैं। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को काफी मजबूत बनाया गया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे मजबूत सेनाओं में से एक भारतीय सेना है। सीमा सुरक्षा बल में पुरुष जवानों के साथ ही महिला जवान भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ काम कर रही हैं।

इस दौरान शर्मा ने कोडेवाला पोस्ट का दौरा किया एवं दूरबीन से सीमा का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने पोस्ट पर एंटी ड्रोन सिस्टम तथा रक्षा उपकरणों की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने जवानों एवं अधिकारियों से भी मुलाकात की और उन्हें स्वाधीनता दिवस की बधाई देते हुए फल वितरित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री को महिला प्रहरियों ने रक्षा सूत्र भी बांधे। इस अवसर पर केन्द्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक (राजस्थान फ्रंटियर) एम एल गर्ग, विधायक विश्वनाथ मेघवाल तथा अन्य जनप्रतिनिधि वरिष्ठ अधिकारी एवं बीएसएफ के जवान मौजूद थे।

भाजपा नहीं चाहती कि नयी पीढ़ी राजनीतिक रूप से जागृत हो : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने छात्रसंघ चुनाव न कराने के संबंध में उच्च न्यायालय में दिए गए राज्य सरकार के जवाब पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और आरोप लगाया कि पार्टी नहीं चाहती कि युवा पीढ़ी राजनीतिक रूप से जागरूक हो। गहलोत ने भाजपा के रुख को दुर्भाग्यपूर्ण व निंदनीय बताया और पार्टी पर युवाओं को लोकतांत्रिक भागीदारी से दूर करने का आरोप लगाया। राजस्थान सरकार ने बुधवार को उच्च न्यायालय को बताया था कि वह मौजूदा शैक्षणिक वर्ष में छात्रसंघ चुनाव नहीं करा पाएगी।

सरकार ने राजस्थान विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के एक छात्र की ओर से दायर जनहित याचिका (पीआईएल) के जवाब में यह बात कही। सरकार ने कहा था कि विश्वविद्यालय के विभिन्न कुलपतियों से राय ली गई है, जिन्होंने कहा है कि छात्रसंघ चुनाव कराने से मौजूदा अकादमिक सत्र और नयी शिक्षा नीति के कार्यान्वयन में बाधा आएगी।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, ''उच्च न्यायालय में सरकार के जवाब से स्पष्ट है कि भाजपा नहीं चाहती कि नयी पीढ़ी राजनीतिक रूप से जागृत हो और नया नेतृत्व तैयार हो सके। भाजपा की यह सोच बेहद निंदनीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण है।'' उल्लेखनीय है कि राज्य में आखिरी बार छात्र संघ चुनाव 2022 में हुए थे।

तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने विधानसभा चुनाव की तैयारियों और नयी शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के मद्देनजर 2023 में चुनाव स्थगित कर दिए थे। भाजपा दिसंबर 2023 में सत्ता में आई, लेकिन 2024 में चुनाव नहीं हो सके। कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्र राज्य सरकार से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में, एनएसयूआई ने इस मांग को लेकर जयपुर में विरोध प्रदर्शन किया था।

दिगम्बर जैन मंदिर में प्राचीन मूर्ति एवं सोने चांदी के छत्र चोरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र में मेला का चौराहा स्थित दिगम्बर जैन समाज नसिया जी मंदिर में चोर प्राचीन मूर्ति और सोने चांदी के छत्र चोरी करके ले गये। जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र जैन ने बताया कि मंदिर के चौकीदार बनवारी लाल सैनी ने उन्हें सूचना दी कि मंदिर में चोरी हो गई है और उसके कमरे को बाहर से बंद करके चले गये हैं। इस सूचना पर मौके पर वह समाज के लोगों के साथ मौके पर पहुंचे तो देखा की मंदिर का दरवाजा टूटा हुआ है, जिसमें चांदी के 12 छत्र, एक चांदी का सिंहासन, छह भामण्डल, पाण्डुशिला, महावीर भगवान की प्रतिमा, अष्टधातु की एक पाषाण मूर्ति और अन्य सामान चोरी कर ले गये। उधर, सूचना मिलने पर थानाधिकारी राजेश मीना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। घटना की जांच की जा रही है।

राष्ट्र और राज्य की उन्नति के लिए सब मिलकर करें प्रयास : बागड़े

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा है कि सभी को भाईचारा और सदभावना बनाये रखते हुए राष्ट्र और राज्य की उन्नति के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए।

बागड़े ने प्रदेशवासियों को स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं और बधाई देते हुए स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर यह बात कही। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि सभी भाईचारा और सदभावना बनाये रखते हुए राष्ट्र और राज्य की उन्नति के लिए मिलकर प्रयास करें।

विभाजन भारतीय इतिहास की सबसे दर्दनाक घटना : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बृहस्पतिवार को 1947 के विभाजन को भारतीय इतिहास की सबसे दर्दनाक घटना बताया। उन्होंने कहा कि यह विभाजन केवल जमीन का ही नहीं, बल्कि दिलों और रिश्तों का भी विभाजन था, जिससे लाखों लोगों को विस्थापन, हिंसा और अलगाव के कारण भारी पीड़ा झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा, विभाजन केवल भूगोल का ही नहीं, बल्कि दिलों और परिवारों का भी हुआ था। यह त्रासदी हमें सिखाती है कि नफरत और उग्रवाद कभी भी किसी समाज में शांति नहीं ला सकते। हमारी असली ताकत हमारी एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक बंधनों में निहित है।

देवनानी ने विभाजन के बाद लाखों विस्थापित लोगों को शरण देने में राजस्थान की भूमिका के बारे में भी बात की।

उन्होंने कहा कि यह कदम 'वसुधैव कुटुम्बकम' के मूल्यों के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। देवनानी ने बताया कि उनके बुजुर्गों ने उन्हें विभाजन की दर्दनाक घटनाओं की कहानियां सुनाई थीं। उन्होंने कहा, आज भी, उस दर्दनाक समय के बारे में सोचकर मेरी रूह कांप जाती है।

उन्होंने लोगों से इतिहास से सीख लेने और प्रेम व गौरव के साथ राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध रहने का आग्रह किया। उन्होंने विभाजन के दौरान पीड़ित सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी। देवनानी ने सभी नागरिकों से यह सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया कि देश में विभाजनकारी विचारधाराएं फिर कभी न फैलें। उन्होंने कहा, हमें अपने देश को एकजुट रखने और प्रेम, करुणा और परस्पर सम्मान के मूल्यों को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए।

भरतपुर शहर में पहले चरण के विकास कार्यों को समय-सीमा में करें पूरा : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भरतपुर शहर के निवासियों की मूलभूत सुविधाओं में वृद्धि के लिए जारी विभिन्न विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। शर्मा बुधवार देर रात यहां मुख्यमंत्री कार्यालय में भरतपुर शहर के विकास कार्यों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि भरतपुर शहर की आबादी और क्षेत्र के निरंतर विस्तार को देखते हुए जिला प्रशासन भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जन सुविधाओं के विस्तार की कार्ययोजना बनाकर काम करें। उन्होंने केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के मुख्य गेट के जीर्णोद्धार के साथ ही नया एंट्री प्लाजा बनाने की कार्ययोजना को मूर्त रूप दिया जाने के भी निर्देश दिए जिससे आने वाले पर्यटकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

उन्होंने भरतपुर विकास प्राधिकरण को शहर में प्रथम चरण के तहत पांच प्रमुख चौराहों के सुदृढ़ीकरण और विकास कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रमुख तिराहों एवं चौराहों के सौन्दर्यीकरण को बढ़ाने के लिए स्थानीय पहचान के अनुरूप विशिष्ट मूर्तियां स्थापित करने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों के पहले चरण में घना रोड एवं शीशम तिराहा रोड को यातायात की आवश्यकता के अनुसार विस्तार देकर ग्रीन रोड के रूप में विकसित किया जाए।

उन्होंने शीशम तिराहे से हीरादास चौराहे तक, चांदपोल गेट से आरबीएम तक, आरबीएम से रीको ऑफिस तक, रेड क्रॉस से रेलवे स्टेशन तक, मानसिंह सर्किल से इकराम मोड़ तक, गणेश मंदिर से 13 नंबर स्कीम तक, चावंड से 13 नंबर स्कीम तक, बिजली घर चौराहे से सारस होटल तक, अनाह गेट से चारभुजा तक होने वाले रोड़ एवं डिवाइडर निर्माण, चौड़ाईकरण सहित फुटपाथ निर्माण, लाइट और यूटिलिटी डक विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। शर्मा ने भरतपुर कलक्ट्रेट, नगर निगम, अनाज मंडी, सरसों मंडी, जनाना अस्पताल, बस स्टैण्ड, बस डिपो के स्थानांतरण कार्य को गति प्रदान करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जसवंत प्रदर्शनी मेला स्थल का कार्ययोजना बनाकर पुराने हैरिटेज के रखरखाव एवं विकास कार्य करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

उन्होंने शहर के कॉलेज ग्राउंड में ट्रैक शीघ्र तैयार करने सहित फुटबॉल प्रैक्टिस सुविधा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सुजान गंगा में गंदे पानी की आवक को रोकने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के लिए भी कहा। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग को भरतपुर शहर के प्रमुख स्थानों को चिह्नित कर भूमिगत केबल कार्य को प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने शहर में मंदिर बिहारी जी, लक्ष्मण जी, गंगा मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों के पुनरुद्धार कार्य करने एवं जनसुविधाओं के विस्तार के निर्देश दिए। उन्होंने पर्यटकों की दृष्टि से शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर साइकिल ट्रैक, पार्किंग एवं अन्य विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करने, भरतपुर शहर के प्रमुख लिंक सड़कों पर विकास कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने एवं भरतपुर के मास्टर ड्रैनेज चरण प्रथम के कार्यों को पूर्ण गंभीरता से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बॉटनिकल पार्क, सैनिक स्कूल के लिए स्थान चिह्नित एवं झील का बाड़ा कैलादेवी मंदिर के विकास कार्यों को गति प्रदान करने तथा बीडीए अपने सीमा क्षेत्र की सम्पूर्ण लैंड बैंक तैयार करने के साथ नगर निगम को सड़कों के सुदृढ़ीकरण कार्य को पूरा करने के लिए निर्देशित किया।

राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 की समीक्षा के लिए आयोजित हुई एक दिवसीय कार्यशाला

जयपुर। राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 की समीक्षा व विभिन्न विभागों से सुझाव / विचार लिये जाने हेतु कालीबाई भील महिला एवं बाल विकास शोध संस्थान के माध्यम से ह0च0मा0रीपा परिसर जयपुर में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें महिला नीति से सबंधित कार्यकारी समूहों के विभागों के नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों, यूएन वीमन, यूनीसेफ, यूएनएफपीए के प्रतिनिधियों कार्यवर्ग के विशेषज्ञों, हितधारकों, विभिन्न आयोग के प्रतिनिधियों के सुझाव / विचार आमंत्रित किये गये।

कार्यशाला में विभागीय अधिकारियों द्वारा राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 के बारे में तथा कार्यकारी समूहों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। तत्पश्चात यूएन प्रतिनिधियों द्वारा महिला नीति की विश्लेषण रिपोर्ट तथा जेण्डर बजटिंग के प्रावधानों के बारे मे पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतिकरण दिया गया। कार्यशाला में महिलाओं और बालिकाओं की स्वायत्तता, गरिमा और मानवाधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए लागू राजस्थान राज्य महिला नीति को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों एवं हितधारको से सुझाव आमत्रित किये गये। शिक्षा विभाग की नोडल अधिकारी ने बताया की महिला सशक्तिकरण हेतु लागू की गयी नवीन योजनाओं को भी कार्ययोजना में शामिल किया जावें।

ऊर्जा राज्यमंत्री ने किया जिला चिकित्सालय में ब्लड सेपरेशन यूनिट का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बूंदी जिले के स्वास्थ्य ढांचे को एक बड़ी मजबूती देते हुए ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं बूंदी जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने गुरुवार को जिला चिकित्सालय में अत्याधुनिक ब्लड कंपोनेंट एवं सेपरेशन यूनिट का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस यूनिट के शुरू होने से अब डेंगू, कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को प्लाज्मा और प्लेटलेट्स जैसी जीवनरक्षक जरूरतों के लिए रेफर नहीं करना पड़ेगा, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी।

इस अवसर पर राज्यमंत्री नागर ने कहा कि सरकार आमजन को स्थानीय स्तर पर बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने इस यूनिट की स्थापना में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा दिए गए अहम योगदान को भी विशेष रूप से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से न केवल मरीजों का समय बचेगा, बल्कि आर्थिक बोझ भी कम होगा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वीकृत इस यूनिट की स्थापना और भवन के नवीनीकरण पर लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत आई हैं। अब तक, रक्त से जुड़े विशिष्ट घटकों की आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब यह सभी सुविधाएं जिला अस्पताल में ही सहज रूप से उपलब्ध होंगी। इस दौरान नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर सुदर्शन सिंह तोमर, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. श्योजीलाल मीणा, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मीनारायण मीणा, पंचायत समिति सदस्य अर्चना कंवर, नूपुर मालव, राजकुमार श्रृंगी, कालूलाल जांगिड़, भरत शर्मा, ब्लड बैंक प्रभारी ऋषि कच्छावा, तकनीकी सहायक नारायण सिंह हाडा सहित शहर के कई गणमान्य नागरिक और चिकित्साकर्मी मौजूद रहें।

शिवराज सिंह चौहान ने की डॉ. किरोड़ी लाल की सराहना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में शुक्रवार को सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ यूरीया की उपलब्धता, विकसित कृषि संकल्प अभियान रबी, प्राकृतिक खेती मिशन, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और राष्ट्रीय खाद्यय तेल-तिलहन मिशन के तहत वीडियो कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। केंद्रीय कृषि मंत्री ने प्रदेश के कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा द्वारा आदान विनिर्माताओं, विक्रेताओं, जमाखोर एवं मिलावट करने वालों के खिलाफ गुणनियंत्रण अभियान चलाकर जो कार्यवाही की उसके लिए बधाई दी।

वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री का कहना है कि केंद्र सरकार कृषकों एवं पशुपालकों के हितों के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। किसानों के हितों के साथ किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जायेगा। कृषक कल्याण के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 15 व 16 सितंबर को केंद्र सरकार द्वारा रबी कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें रबी फसल की बुआई की रूप रेखा तैयार की जायेगी। इस कांफ्रेंस में सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों को भी आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि रबी फसलों के लिए खाद का आंकलन कर उर्वरकों की डिमांड समय पर केंद्र सरकार को भिजवाई जाये, जिससे उर्वरक मंत्रालय समय पर सप्लाई पूरी कर सके। यूरीया का गैर कृषि कार्यों, कालाबाजारी करने वालों, अमानक पेस्टिसाइड, अमानक उर्वरक निर्माताओं और विक्रेतों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करें। केंद्रीय कृषि मंत्री ने टैगिंग करने वाले आदान निर्माताओं और विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के लिए कहा। विकसित कृषि संकल्प अभियान रबी फसल 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक चलाया जायेगा, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों द्वारा गांव-गांव जाकर कृषकों को फसलों की जानकारी दी जायेगी। जिससे हमारे कृषकों के उत्पादन में वृद्धि होगी और देश का कृषक आर्थिक स्थिति से मजबूत हो सकेगा। शिवराज सिंह चौहान ने प्राकृतिक खेती मिशन, प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना और राष्ट्रीय खाद्यय तेल-तिलहन मिशन का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि दलहन तिलहन का आवश्यकता के अनुसार उत्पादन कर देश को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करें।

बंगाल के बिना भारत को आजादी नहीं मिलती : ममता बनर्जी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि यदि बंगाल न होता तो भारत को आजादी नहीं मिलती, क्योंकि रवींद्रनाथ टैगोर और सुभाष चंद्र बोस जैसी हस्तियां यहीं पैदा हुईं, जिन्होंने देश की नियति को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

'कन्याश्री' योजना की 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक समारोह में बनर्जी ने कहा कि बंगाल आशा की किरण है जो विविधता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, अगर बंगाल नहीं होता, तो भारत को आजादी नहीं मिलती। बंगाल की माटी ने रवींद्रनाथ टैगोर, नजरूल इस्लाम और सुभाष चंद्र बोस जैसे प्रख्यात लोगों को जन्म दिया। राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत और 'जय हिंद' का नारा बंगालियों की रचनाएं हैं। बनर्जी का यह बयान काफी मायने रखता है क्योंकि तृणमूल कांग्रेस बंगाली अस्मिता के इर्द-गिर्द केंद्रित एक अभियान चला रही है और भाजपा शासित राज्यों पर पश्चिम बंगाल के प्रवासी मजदूरों के भाषाई आधार पर उत्पीड़न का आरोप लगा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के ज्यादातर स्वतंत्रता सेनानी बंगाल से थे। उन्होंने कहा, आप पाएंगे कि सेलुलर जेल (पोर्ट ब्लेयर में) के लगभग 70 प्रतिशत कैदी बंगाली थे। पंजाब के स्वतंत्रता सेनानी दूसरे स्थान पर थे। कार्यक्रम में उपस्थित स्कूली छात्राओं से बनर्जी ने कहा, कल (शुक्रवार को) स्वतंत्रता दिवस है। मैं सभी से संकीर्णता और विभाजनकारी विचारों को त्यागने का आग्रह करती हूं। बंगाल विविधता के बीच सद्भाव और एकता का प्रतीक है। हम मजबूत और एकजुट हैं।

एसआईआर पर न्यायालय के आदेश ने भाजपा की नापाक साजिश का पर्दाफाश किया : तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उच्चतम न्यायालय का वह आदेश, जिसमें बिहार में मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख नामों का विवरण प्रकाशित करने के लिए निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया गया है, भाजपा, उसके सहयोगियों और लोगों को मताधिकार से वंचित करने की उनकी नापाक साजिश का पर्दाफाश करता है। तेजस्वी ने राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का एकजुट होकर विरोध करने के लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं-राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, ममता बनर्जी, हेमंत सोरेन और शरद पवार का आभार भी जताया। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी ने पटना में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, बिहार में एसआईआर को लेकर शीर्ष अदालत के आज के अंतरिम आदेश ने भाजपा, उसके सहयोगियों और लोगों को मताधिकार से वंचित करने की उनकी नापाक साजिश का पर्दाफाश कर दिया है। हमारी लड़ाई जारी रहेगी और हम एसआईआर की प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों पर नजर रखेंगे। उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख मतदाताओं का विवरण प्रकाशित करे और साथ ही उन्हें शामिल न करने के कारण भी बताए।

'ऑपरेशन सिन्दूर' के लिए बीएसएफ के 16 कर्मी वीरता पदक से सम्मानित

नई दिल्ली/भाषा। ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान ''विशिष्ट बहादुरी'' और ''अद्वितीय साहस'' का प्रदर्शन करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 16 कर्मियों को वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। अर्धसैनिक बल बीएसएफ देश के पश्चिमी हिस्से में भारत-पाकिस्तान सीमा की रक्षा करने का दायित्व निभा रहा है।

बीएसएफ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, इस स्वतंत्रता दिवस पर 16 बहादुर सीमा प्रहरियों को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान दृढ़ और अडिग रहने, उनकी विशिष्ट बहादुरी और अद्वितीय साहस के लिए वीरता पदक से सम्मानित किया जा रहा है। उसने कहा, पदक भारत की पहली रक्षा पंक्ति: सीमा सुरक्षा बल में व्यक्त राष्ट्र के विश्वास और भरोसे का प्रमाण हैं। पदक विजेताओं में एक डिप्टी कमांडेंट रैंक के अधिकारी, दो सहायक कमांडेंट और एक इंस्पेक्टर शामिल हैं। ऑपरेशन सिन्दूर के तहत भारत ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में सात से 10 मई तक पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

रामराज्य की अवधारणा पर आधारित होगा 2047 का उत्तर प्रदेश : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ (उप्र)/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि विधानमंडल में चर्चा का केंद्र बना 'यूपी विजन डॉक्यूमेंट 2047' उत्तर प्रदेश को रामराज्य की अवधारणा पर आधारित एक आदर्श राज्य के रूप में स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री ने विधानमंडल के मानसून सत्र के चौथे दिन 'यूपी विजन डॉक्यूमेंट 2047' का विस्तृत खाका पेश करते हुए कहा, विजन डॉक्यूमेंट 2047 में उत्तर प्रदेश को न केवल आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने का लक्ष्य है बल्कि यह इसे रामराज्य की अवधारणा पर आधारित एक आदर्श राज्य के रूप में भी स्थापित करेगा। उन्होंने कहा, इस विजन में आध्यात्मिक और आधुनिक विकास का एक अनूठा संगम होगा जो गंगा एवं यमुना की तरह प्रदेश की सांस्कृतिक और प्रगतिशील पहचान को दर्शाएगा। यह विजन केवल आंकड़ों, परियोजनाओं और नीतियों तक सीमित नहीं रहेगा। यह उस किसान की आशा है जो अपने खेत में सुनहरे भविष्य की फसल बो रहा है, उस छात्र की आकांक्षा है जो किताबों में अपने सपनों को देख रहा है और उस मजदूर की मेहनत है जो अपने पसीने से विकास की नींव रख रहा है। 2047 सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि हमारे सपनों का गंतव्य है।

आदित्यनाथ ने कहा कि जब 25 करोड़ लोग एक संकल्प के साथ एक दिशा में कार्य करेंगे, तो इतिहास बदलेगा। उनका कहना था कि 'यूपी विजन डॉक्यूमेंट 2047' के तहत उत्तर प्रदेश को न केवल भारत का सबसे समृद्ध और सशक्त राज्य बनाया जाएगा बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर विकास, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 'विजन डॉक्यूमेंट' को तैयार करने में जनप्रतिनिधियों के सुझावों को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया जा रहा है तथा इसके लिए एक संवाद सत्र भी आयोजित किया जाएगा जिसमें सभी हितधारकों की राय ली जाएगी।

एसआईआर मामला : निर्वाचन आयोग हटाए गए 65 लाख मतदाताओं का विवरण कारण समेत प्रकाशित करे: न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को बृहस्पतिवार को निर्देश दिया कि वह बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए मसौदा मतदाता सूची से हटाये गए 65 लाख मतदाताओं का विवरण प्रकाशित करे और साथ ही उन्हें शामिल न करने के कारण भी बताए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार में मतदाता सूची की एसआईआर कराने के 24 जून के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। इसने कहा कि 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में थे, लेकिन मसौदा सूची से हटा दिए गए थे। मसौदा सूची को एक अगस्त को प्रकाशित किया गया था। जिन लोगों की मृत्यु हो गई है, जो पलायन कर गए हैं या अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में चले गए हैं, उनके नामों की सूची पंचायत स्तर के कार्यालय और जिला स्तर के निर्वाचन अधिकारियों के कार्यालय में कारणों समेत प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया।

पीठ ने टेलीविजन समाचार चैनलों और रेडियो के अलावा स्थानीय भाषाओं एवं अंग्रेजी दैनिकों समेत समाचार पत्रों के माध्यम से व्यापक प्रचार करने पर जोर दिया, ताकि लोगों को उन स्थानों के बारे में जानकारी दी जा सके जहां सूची उपलब्ध होगी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि नाम हटाए जाने से जिन लोगों को दिक्कत है, उन्हें अपने आधार कार्ड के साथ निर्वाचन अधिकारियों से संपर्क करने की अनुमति दी जाती है।

एसआईआर मामले में
न्यायालय ने साहसिक तरीके से संविधान को बरकरार रखा: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्देश की सराहना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि शीर्ष अदालत ने संविधान को स्पष्ट, मजबूत और साहसिक तरीके से बरकरार रखा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि यह आशा की एक किरण भी है।

उच्चतम न्यायालय ने बिहार के विशेष गहन पुनरीक्षण मामले में निर्वाचन आयोग से बृहस्पतिवार को कहा कि वह मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख मतदाताओं की पहचान 19 अगस्त तक उजागर करे और 22 अगस्त तक अनुपालन रिपोर्ट सौंपे। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, उच्चतम न्यायालय ने भारत के संविधान को स्पष्ट, मजबूत और साहसिक तरीके से बरबरार रखा है। यह प्रधानमंत्री और उनके समर्थकों की चालों से हमारे गणराज्य को बचाने की एक लंबी लड़ाई है, लेकिन बिहार एसआईआर मुद्दे पर आज का उच्चतम न्यायालय का फैसला उम्मीद की एक किरण है। उन्होंने कहा कि यह एक पहला बहुत बड़ा कदम है।

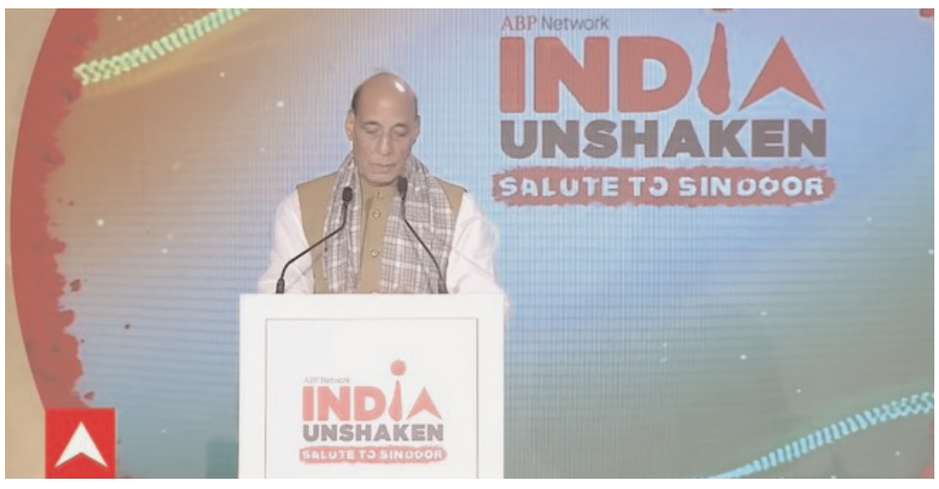

ऑपरेशन सिंदूर संतुलित सैन्य जवाबी कार्रवाई बनकर उभरा: राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' विश्व स्तर पर देखी जा रही विषम युद्ध स्थिति के बीच एक संतुलित सैन्य जवाबी कार्रवाई के रूप में उभरा है। सिंह ने 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सशस्त्र बलों के कर्मियों को दिए संदेश में कहा कि यह अभियान युद्ध की 'नई कला, तकनीकी प्रगति के साथ-साथ रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, भारत अब पारंपरिक बंदिशों से बंधा नहीं है, यह आधुनिक तकनीक, सटीक खुफिया जानकारी और स्मार्ट रणनीतियों का उपयोग करता है।

रक्षामंत्री ने कहा, आतंकवाद की जड़ें चाहे कितनी भी गहरी क्यों न हों, उसका विनाश निश्चित तौर पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत एक सहिष्णु राष्ट्र है, लेकिन जब बात सुरक्षा और सम्मान की आती है तो पूरा देश एकजुट होकर हर चुनौती का साहसपूर्वक सामना करता है। उन्होंने कहा कि भारत ने ड्रोन युद्ध, आधुनिक वायु रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और नेटवर्क आधारित अभियानों जैसे अत्याधुनिक उपकरणों का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया है और यह साबित कर दिया है कि अब वह विदेशी तकनीक पर निर्भर नहीं है। रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उद्धृत करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर न केवल भारत की सैन्य शक्ति का प्रमाण है, बल्कि रक्षा क्षेत्र में देश की तेजी से बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है। उन्होंने रेखांकित किया कि इस अभियान ने भारत की सैन्य आत्मनिर्भरता को और अधिक ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की संतुलित रणनीति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कुछ ही मिनटों में सटीक मिसाइल हमलों से लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालयों सहित नौ आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट कर दिया गया।

केंद्रीय, राज्य बलों के 1,090 पुलिस कर्मियों के लिए सेवा पदक की घोषणा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले, बृहस्पतिवार को विभिन्न केंद्रीय और राज्य बलों के 1,090 पुलिस कर्मियों के लिए सेवा पदक की घोषणा की।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, 233 कर्मियों को वीरता पदक से, 99 कर्मियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक और 758 कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। मंत्रालय ने कहा, इसमें अग्निशमन, होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा तथा सुधारात्मक सेवाओं के कर्मियों के लिए पदक शामिल हैं।

वीरता पदकों में से अधिकतम 152 पदक जम्मू-कश्मीर में अभियानों में शामिल सुरक्षा कर्मियों को देने की घोषणा की गई है। इसके बाद 54 पदक नक्सल विरोधी अभियानों में तैनात सैनिकों को, तीन पूर्वोत्तर में ड्यूटी के लिए और 24 पदक अन्य क्षेत्रों में दिए गए हैं। मंत्रालय के बयान के अनुसार, चार अग्निशमन सेवा कर्मियों और एक होम गार्ड व नागरिक सुरक्षा अधिकारी को भी वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। वीरता पदक जीवन और संपत्ति को बचाने या अपराध को रोकने या अपराधियों को गिरफ्तार करने में बहादुरी के दुर्लभ विशिष्ट कार्य के आधार पर प्रदान किया जाता है।

नीतीश ने बाढ़ प्रभावित जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को बाढ़ प्रभावित जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मूसलाधार बारिश के कारण कई नदियों के उफान पर होने से 10 जिलों में लगभग 25 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि कुमार ने पटना जिले के राघोपुर दियारा, रूपस महाजी, काला दियारा, रामनगर, कसाहा दियारा, मोकामा, बाढ़ और फतुहा ताल तथा बेगुसराय और मुंगेर जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री के साथ इस दौरान वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। कुमार ने बुधवार को बाढ़ की स्थिति पर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और अधिकारियों को प्रभावित लोगों के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित जिले भोजपुर, पटना, सारण, वैशाली, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार हैं।

उन्होंने बताया कि बारिश के बाद गंगा, कोसी, बागमती, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और घाघरा का जलस्तर बढ़ रहा है और कई स्थानों पर ये नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

उत्तर प्रदेश के बलिया में टॉफी का लालच देकर दो बच्चों से कुकर्म

बलिया (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक दुकानदार ने टॉफी का लालच देकर दो बच्चों से कथित तौर पर कुकर्म किया। पुलिस ने यह जानकारी दी है।

पुलिस के अनुसार उभांव थाना क्षेत्र के एक कस्बे में 11 अगस्त की शाम को आठ और नौ वर्ष के दो बच्चे एक दुकान के सामने खेल थे तभी अफजाल अंसारी उर्फ राजू मास्टर नामक दुकानदार ने उन्हें टॉफी का लालच देकर दुकान में बुलाया और कुकर्म किया। पुलिस के अनुसार उसने बच्चों को धमकाते हुए कहा कि वे इस बारे में किसी को कुछ न बताएं। घटना के बाद बच्चों ने परिजनों को जानकारी दी।

थाना प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने बताया कि एक बच्चे की मां की तहरीर पर बुधवार को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों बच्चों को जांच के लिए बृहस्पतिवार को जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

राहुल गांधी के आरोप ने एसआईआर की जरूरत को रेखांकित किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि विपक्षी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची में अनियमितताओं के आरोप लगा एक तरह से निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का समर्थन किया है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भाजपा द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में गांधी परिवार पर सत्ता के 'लालच' में कथित तौर पर रिश्वत देने, दबाव डालने और यहां तक कि उन मतपत्रों को नष्ट करने का आरोप लगाया जिनके बारे में माना जाता था कि वे कांग्रेस उम्मीदवारों के खिलाफ डाले गए थे। पार्टी ने गांधी परिवार पर चुनावी प्रक्रिया से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया।

भाजपा ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पर 1983 में भारतीय नागरिकता प्राप्त होने से तीन साल पहले ही मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का आरोप लगाया है। शेखावत ने कांग्रेस और गांधी परिवार को भाजपा के इस आरोप को लेकर कथित तौर पर चुप्पी साधने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह चुप्पी अपने आप में सवाल खड़े करती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं कांग्रेस से फिर पूछता हूं कि उसने मतदाता सूची को कैसे प्रभावित किया और नागरिक बनने से पहले ही उन्हें मतदाता कैसे बना दिया गया। यह निश्चित रूप से भारतीय संप्रभुता को चुनौती देने और संवैधानिक प्रक्रिया को दरकिनार करने के समान है।

राहुल गांधी ने एक संवाददाता सम्मेलन कर 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एक प्रस्तुति दी थी। इस बारे में पूछे जाने पर शेखावत ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने केवल एसआईआर की आवश्यकता को पुख्ता किया है।

गिल का नेतृत्व अविश्वसनीय था : युवराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व बल्लेबाज युवराज सिंह को लगता है कि हाल के इंग्लैंड दौरे पर शुभमन गिल का प्रदर्शन अविश्वसनीय था क्योंकि पांच टेस्ट मैचों की शृंखला से पहले विदेशी हालात में उनकी बल्लेबाजी पर सवाल उठाए जा रहे थे।

हाल में एंडरसन-तेंदुलकर टेस्ट शृंखला के दौरान गिल ने चार शतक बनाए और 754 रन के साथ शीर्ष स्कोरर रहे। इस उपलब्धि ने उन्हें सेना (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देश में टेस्ट शृंखला में 700 से अधिक रन बनाने वाला पहला एशियाई बल्लेबाज बना दिया और इस प्रदर्शन ने मेहमान टीम को पांच टेस्ट मैचों की शृंखला 2-2 से ड्रॉ कराने में मदद की। भारत के तीन दिग्गज विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के लंबे प्रारूप के क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद 25 वर्षीय गिल ने इस मुश्किल दौरे पर युवा टेस्ट टीम का नेतृत्व किया।

युवराज ने महिला क्रिकेट विश्व कप टूर्नामेंट के 50 दिन की उलटी गिनती पर आयोजित '50 डेज टू गो' कार्यक्रम के इतर आईसीसी डिजिटल से कहा, उनके विदेशी रिकॉर्ड पर कई सवालिया निशान थे। वह (गिल) कप्तान बने और चार टेस्ट शतक जड़े। यह अविश्वसनीय है कि जब आपको जिम्मेदारी दी जाती है तो आप उसे कैसे लेते हैं। उन्होंने कहा, इसलिए मुझे उन पर (भारतीय टीम पर) बहुत गर्व है। मुझे निश्चित रूप से लगता है कि यह हमारी जीत है, हालांकि यह शृंखला ड्रॉ रही क्योंकि यह युवा टीम है। और इंग्लैंड में जाकर खेलना और खुद को साबित करना आसान नहीं है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत, आकाशदीप और अर्शदीप सिंह के चोटिल होने और उनके मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के कार्यभार के कारण केवल तीन मैच खेलने के बावजूद शृंखला में भारत का दृढ़ संकल्प दिखा और उन्होंने ओवल में पांचवें टेस्ट में छह रन से रोमांचक जीत हासिल कर शृंखला बराबर कर दी। गिल के 'मेंटोर' (मार्गदर्शक) रहे युवराज ने कहा कि कोहली और रोहित जैसे खिलाड़ियों के बिना भी भारतीय टीम ने चुनौती का डटकर सामना किया। उन्होंने कहा, यह वाकई शानदार है क्योंकि मुझे लगता है कि जब आपके पास इंग्लैंड जाने वाली युवा टीम होती है तो बहुत दबाव होता है। आप विराट कोहली, रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों की जगह ले रहे होते हैं, यह आसान नहीं होता। खिलाड़ियों ने इसका डटकर सामना किया। उन्होंने ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के प्रयासों की भी सराहना की, जिनकी लंबी साझेदारी की बदौलत भारत ने मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट ड्रॉ कराया।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने बांग्लादेश को राजी करें, मेघालय का केंद्र से अनुरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। मेघालय सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से अनुरोध किया है कि वह बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब बाड़ लगाने की अनुमति देने के लिए राजी करे, ताकि बाड़ वाले क्षेत्र से बाहर के गांवों को छोड़े बिना 40 किलोमीटर के बिना बाड़ वाले हिस्से को सुरक्षित किया जा सके। यह जानकारी उपमुख्यमंत्री प्रेस्टोन तिनसॉन्ग ने दी।

अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार, सीमा पर बाड़ किसी देश की सीमा के 150 गज अंदर तक लगाई जाती है। उपमुख्यमंत्री प्रेस्टोन तिनसॉन्ग ने यह भी कहा कि मेघालय के मामले में सीमा पर बाड़ लगाने से, इसके परिणामस्वरूप कई गांव 'नो मैन्स लैंड' (जहां किसी देश का अधिकार नहीं होता) के अंतर्गत आ जाएंगे या बाड़ के बाहर आ जाएंगे, जिससे उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी।

तिनसॉन्ग ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने गृह मंत्रालय के समक्ष इस मामले को उठाया है और उससे आग्रह किया है कि वह बांग्लादेश सरकार को समझाए कि इस वास्तविकता के कारण हमें सीमा के मुख्य स्तंभ के करीब जाने दिया जाए, ताकि हम गांव के बाहर बाड़ लगाने से बच सकें। तिनसॉन्ग जो मेघालय के गृह मंत्री भी हैं, ने हाल ही में घुसपैठ के प्रयास और उसके बाद बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी के बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा सुरक्षा की समीक्षा के लिए बुधवार को गृह विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। उपमुख्यमंत्री के अनुसार, ऐसी व्यवस्था से गांवों को नुकसान पहुंचाए बिना उनकी सुरक्षा होगी। उन्होंने कहा कि 40 किलोमीटर लंबी बिना बाड़ वाली सीमा के भीतर कई बस्तियां हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार सख्ती से बाड़ लगाने पर खतरे में पड़ जाएंगी।

बाड़ लगाने की यह कोशिश रोंगदांगई गांव में हुई एक घटना के बाद की गई है, जहां बांग्लादेश पुलिस के एक कांस्टेबल के नेतृत्व में एक सशस्त्र गिरोह के छह सदस्यों ने कथित तौर पर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर स्थानीय दुकानदार पर हमला किया और नकदी तथा कीमती सामान लूट लिया था। तिनसॉन्ग ने कहा कि सभी उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को पूर्वी जयंतिया हिल्स से लेकर गारो हिल्स के दालू तक संपूर्ण भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

सुविचार

**जीवन एक आईना है,
यह वही दिखाता है
जो आप देखते हैं।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह आज़ादी अडिग रहे

स्वतंत्रता दिवस का यह प्रभात कुछ नए संकल्प लेने और पुराने संकल्प दृढ़ता से निभाने को समर्पित होना चाहिए। हमारे पूर्वजों ने इस दिन के लिए वर्षों तपस्या की थी। हम बहुत सौभाग्यशाली हैं जो आज आज़ादी की खुली हवाओं में सांस ले रहे हैं। हमारी आज़ादी अडिग रहे, मजबूत रहे, इसके लिए हमें अतीत से सबक लेते हुए भविष्य की योजना बनानी होगी। हमें उन कारणों को पहचानना होगा, जो हमारे पूर्वजों को गुलामी की ओर लेकर गए थे। जब-जब समाज कमजोर हुआ है, 'हम' की जगह 'मैं' का बोलबाला हुआ है, तब-तब देश की ताकत में कमी आई है। हमें जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद, सांप्रदायिकता के बंधनों को तोड़ना होगा। हम भारतीय हैं। हमें इस संकल्प पर दृढ़ रहना होगा कि हमारी एकता को कोई नहीं तोड़ सकता। जब विदेशी आक्रांता यहां आए थे तो उन्होंने वे सभी पैंतरे आजमाए थे, जो समाज में दरारें पैदा करें। आज भी ऐसे तत्त्वों की कमी नहीं है, जो इस ताक में बैठे हैं कि कब कोई गड़बड़ हो और वे मौके का फायदा उठाएं। इस स्वतंत्रता दिवस पर हमें यह संकल्प जरूर लेना चाहिए कि हम अपने देश को स्वच्छ रखेंगे। आज कई जगहों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं, सार्वजनिक इमारतों की दीवारें पीक से रंगी हुई हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? हमारे देश को साफ रखने की जिम्मेदारी हमारी है। क्या वजह है कि जापान, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण कोरिया जैसे देश इतने साफ-सुथरे हैं, जबकि हमारे यहां स्थिति बिल्कुल अलग है? जब तक देशवासी स्वच्छता को अपने जीवन का हिस्सा नहीं बनाएंगे, यह तस्वीर बदलने वाली नहीं है। स्वच्छता के लिए हर व्यक्ति को पहल करनी होगी।

अंग्रेजों ने हमारे देश को गुलाम बनाने के लिए इसकी अर्थव्यवस्था पर कब्जा किया था। उन्होंने साजिश रचकर हमारे उद्योग-धंधों को नष्ट किया था। हमारी आज़ादी अटल रहे, इसके लिए जरूरी है कि हमारी अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत हो। नौजवानों को चाहिए कि वे पढ़ाई के साथ कम-से-कम कोई दो हुनर ऐसे सीखें, जिनमें रोजगार की संभावनाएं हों। जिस देश में लोग अपने रोजगार में व्यस्त होते हैं, वहां कई समस्याओं का समाधान अपनेआप हो जाता है। भारत में इंटरनेट सुलभ होने से कई काम आसान हुए हैं। हालांकि इसके जरिए एक ऐसा जहर हमारे देशवासियों के दिलो-दिमाग में घोला जा रहा है, जिसके नतीजे बहुत खतरनाक हो सकते हैं। आज ऐसे कई ऑनलाइन ऐप चल रहे हैं, जो लोगों को जुए, सट्टे पर दांव लगाकर अमीर बनने का झांसा दे रहे हैं। उनके फेर में पड़कर बहुत लोग जीवनभर की बचत गंवा चुके हैं। कई तो कर्ज में डूब चुके हैं। ऐसे ऐप्स की शिकायतें खूब आ रही हैं, जो तुरंत कर्ज उपलब्ध कराने का वादा कर बहुत ऊंची दर पर ब्याज वसूल रहे हैं। यही नहीं, कई लोग आरोप लगा चुके हैं कि उन्होंने पूरा कर्ज चुका दिया, लेकिन उनसे वसूली जारी है। जब लोगों की आर्थिक स्वतंत्रता खतरे में पड़ जाएगी तो उनका भविष्य क्या होगा? ऐसे ऐप्स के खिलाफ सरकार को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं, देशवासियों को इनसे सावधान रहना चाहिए। बेहतर होगा कि अपने मोबाइल फोन में ऐसे ऐप्स डाउनलोड ही न करें। किसी भी क्षेत्र में उन्नति करने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा होनी चाहिए। भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। हमें इससे और आगे जाना है। आज कई टीवी तथा सोशल मीडिया चैनलों पर भारत और पाकिस्तान की तुलना की जाती है! हमें इससे परहेज करना चाहिए। अगर तुलना करनी है, प्रतिस्पर्द्धा करनी है तो चीन और अमेरिका जैसे देशों से करनी चाहिए। हमें दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनानी है। प्रथम स्थान से कम, कुछ भी स्वीकार्य नहीं है। स्वतंत्रता दिवस की अनेक शुभ कामनाएं।

ट्वीटर टॉक

बंटवारा हमारे इतिहास का सबसे दर्दनाक हादसा है। नफरत की कोख से उपजे इस दर्द को देशवासियों ने हिंसा और विस्थापन से भी झेला है। इस दिवस पर हम भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म कर एकता और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने का प्रण लें।

-दीया कुमारी

बीकानेर के कोडेवाला आउट पोस्ट (खाजूवाला) पर बीएसएफ के जांबाज जवानों से स्नेहपूर्ण संवाद कर एवं जांबाज बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाकर सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित रहे।

-भजनलाल शर्मा

विभाजन का दर्द आज भी गहरा है। नक़्शे पर एक लकीर खिंचने की वजह से लाखों लोग बेघर हुए, लाखों जीवन मिट गए। विभाजन मानवीयता के लिए विभीषिका था, जिसे झेलने वाले असंख्य भारतीयों ने सुई की नोक बराबर भी कुछ ग़लत नहीं किया था।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

चिंतन से चरित्र

रावण का पराभव हुआ और विभीषण का राज्याभिषेक हुआ। राजा विभीषण, कर्तव्य-पालन संबंधी निर्देश प्राप्त करने की जिज्ञासा से भगवान राम के समक्ष उपस्थित हुए। भगवान राम बोले, 'अपने अग्रज पंडितराज की ज्ञान-विज्ञान परंपरा का संरक्षण और विकास करना, किंतु अपना चिंतन सदैव धर्मपरायण और आदर्शनिष्ठ बनाए रखना।' विभीषण ने जिज्ञासा व्यक्त की, 'रावण से चिंतन के स्तर पर क्या भूलें हुईं?' भगवान करुणानिधि बोले, 'उसने ऋषि परंपरा के व्यवस्थित चिंतन-क्रम को त्याग कर लोलुपों का अस्त-व्यस्त मार्ग अपना लिया। इसलिए वह अपने ज्ञान के ठोस लाभ समाज को नहीं दे सका। संकीर्ण स्वार्थपूर्ण चिंतन ने उसे हीन कर्मों में लगा दिया और अंततः उसकी दुर्गति कर दी। धर्म की रक्षा करने के स्थान पर उसने अनीति और अधर्म का ही पोषण किया। यही उसके पतन का कारण बना।'

सामयिक

श्रीकृष्ण हैं शाश्वत एवं प्रभावी सृष्टि संचालक

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

आज जब हम प्रबंधन की बात करते हैं तो यह केवल कॉर्पोरेट, व्यापार या राजनीति तक सीमित नहीं है। यह जीवन की हर परिस्थिति में लागू होता है, चाहे वह व्यक्तिगत विकास हो, सामाजिक नेतृत्व हो या राष्ट्रीय पुनर्निर्माण। श्रीकृष्ण के जीवन से हम सीख सकते हैं कि स्थिर मन, समय पर निर्णय, संसाधनों का सही उपयोग, और नैतिकता का पालन-ये सभी किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनिवार्य हैं। श्रीकृष्ण का सम्पूर्ण जीवन सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, धर्मपालन, और समय-सम्बद्ध रणनीति का जीवंत उदाहरण है।

भगवान श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्वितीय महापुरुष हैं, जिनके व्यक्तित्व में आध्यात्मिक ऊँचाई, लोकनायकत्व, व्यावहारिक बुद्धिमत्ता और कुशल प्रबंधन का अद्भुत संगम दिखाई देता है। वे केवल एक धार्मिक देवता नहीं, बल्कि सृष्टि के महाप्रबंधक, समय के श्रेष्ठ रणनीतिकार और जीवन के महान शिक्षक-संचालक भी हैं। उनका सम्पूर्ण जीवन इस बात का प्रमाण है कि सही प्रबंधन के बिना न तो राष्ट्र का संचालन संभव है, न ही व्यक्ति का उत्थान। उन्होंने यह सिखाया कि प्रबंधन केवल योजनाओं और नीतियों का नाम नहीं, बल्कि भावनाओं, विवेक, नीति और समय के सामंजस्य का विज्ञान है। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। श्रीकृष्ण के आदर्शों से ही देश एवं दुनिया में शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। श्रीकृष्ण के प्रबंधन रहस्य को समझना होगा कि उन्होंने किस प्रकार आदर्श राजनीति, व्यावहारिक लोकतंत्र, सामाजिक समरसता, एकात्म मानववाद और अनुशासित सैन्य एवं युद्ध संचालन किया। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए किस तरह की नीति और नियत चाहिए। इन सब प्रश्नों के उत्तर श्रीकृष्ण के प्रभावी प्रबंधन सूत्रों से मिलते हैं, आधुनिक शासक-नायक यदि श्रीकृष्ण के मैनेजमेंट को प्रेरणा का माध्यम बनाये तो दुनिया में युद्ध, आतंक एवं अराजकता की स्थितियां समाप्त हो जाये एवं एक आदर्श समाज-निर्माण को आकार दिया जा सके।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व नेतृत्व एवं प्रबंधन की समस्त विशेषताओं को समेटे बहुआयामी एवं बहुरंगी है, यानी राजनीतिक कौशल, बुद्धिमत्ता, चातुर्य, युद्धनीति, आकर्षण, प्रेमभाव, गुरुत्व, सुख, दुख और न जाने और क्या? एक देश-भक्त के लिए श्रीकृष्ण भगवान तो हैं ही, साथ में वे जीवन जीने की कला एवं सफल नागरिकता भी सिखाते है। उन्होंने अपने व्यक्तित्व की विविध विशेषताओं से भारतीय-संस्कृति में उच्च महाप्रबंधक का पद प्राप्त किया। एक ओर वे राजनीति के ज्ञाता, तो दूसरी ओर दर्शन के प्रकांड पंडित थे। धार्मिक, राजनैतिक एवं सामाजिक जगत में भी नेतृत्व करते हुए ज्ञान-कर्म-भक्ति का समन्वयवादी धर्म उन्होंने प्रवर्तित किया। अपनी योग्यताओं के आधार पर वे युगपुरुष थे, जो आगे चलकर युगावतार के रूप में स्वीकृत हुए। उन्हें हम एक महान क्रांतिकारी नायक के रूप में स्मरण करते हैं। वे दार्शनिक, चिंतक, गीता के माध्यम से कर्म और सांख्य योग के संदेशवाहक और महाभारत युद्ध के नीति निर्देशक थे। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में भी हम इन्हीं प्रबंधकीय विशेषताओं का दर्शन करते है, क्योंकि श्रीकृष्ण के जीवन-आदर्शों को आत्मसात करते हुए वे एक कुशल प्रबंधक के रूप में सशक्त भारत-नया भारत निर्मित कर रहे हैं।

श्रीकृष्ण ने द्वारका के शासक होते हुए भी कभी अपने को 'राजा' कहलाने में रुचि नहीं दिखाई। वे ब्रज के नंदलाल थे, ग्वालों के सखा, गोपियों के प्रियतम, और साथ ही धर्म के रक्षक भी। उनका जीवन दर्शाता है कि एक सच्चा नेता पद और सत्ता से नहीं, अपने कर्म और दृष्टिकोण से पहचाना जाता है। उन्होंने प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों के बीच अद्भुत संतुलन साधा-एक ओर वे महाभारत जैसे महायुद्ध के नीति निर्देशक थे, तो दूसरी ओर रास की मधुर लीलाओं में प्रेम और आनंद के स्वर बिखेरते थे। उनका प्रबंधन कौशल इस बात में स्पष्ट झलकता है कि अत्याचारी कंस को पराजित करने से पहले उन्होंने उसकी आर्थिक शक्ति को कमजोर किया। यह आधुनिक रणनीति की दृष्टि से भी सर्वोत्तम तरीका था, पहले प्रतिद्वंद्वी की संसाधन शक्ति को समाप्त करो, फिर निर्णायक प्रहार करो। यही व्यावहारिक सोच उन्हें आदर्श मैनेजमेंट गुरु बनाती है। महाभारत के युद्ध में वे स्वयं अस्त्र-शस्त्र नहीं उठाते, लेकिन रथसारथी बनकर अर्जुन के मानसिक संकट को दूर करते हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि एक श्रेष्ठ प्रबंधक स्वयं अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर मार्गदर्शन देता है, लेकिन अपनी टीम को ही सफलता का श्रेय देता है।

गीता का उपदेश वास्तव में प्रबंधन का अमरसूक्त है, कर्तव्य के साथ कर्म में निष्ठा, परिणाम से अनासक्ति, समय पर निर्णय लेने की क्षमता और परिस्थितियों के अनुरूप रणनीति बदलने की लचीलापन। उन्होंने सिखाया कि असफलता का भय और परिणाम की चिंता व्यक्ति को कमजोर करती है, जबकि कर्तव्यपरायणता और आत्मसंयम सफलता की गारंटी है। श्रीकृष्ण की दृष्टि में इच्छाओं का त्याग, मन की स्थिरता, और विवेकपूर्ण कार्य-ये जीवन प्रबंधन के मूल सूत्र हैं। उनके व्यक्तित्व में असंख्य भूमिकाएं समाहित थीं, एक ओर वे सुदामा के लिए अद्वितीय मित्र हैं, तो दूसरी ओर दुष्ट शिशुपाल के वध में धर्म के कठोर संरक्षक। वे नंदगांव में माखन चुराने वाले नटखट बालक हैं, लेकिन वही आगे चलकर कुरुक्षेत्र में धर्मयुद्ध के नीति निर्माता भी हैं। यही विरोधाभासों का संतुलन उन्हें अद्वितीय बनाता है। उन्होंने दिखाया कि कब करुणामय होना है और कब कठोर, कब प्रेम करना है और कब दुष्टता का दमन करना है, यह निर्णय केवल वही कर सकता है जो परिस्थितियों को भलीभांति समझता हो और समय का सदुपयोग जानता हो। श्रीकृष्ण एक आदर्श चरित्र हैं जो अर्जुन की मानसिक व्यथा का निदान करते समय एक मनोवैज्ञानिक, कंस जैसे असुर का संहार करते हुए एक धर्मावतार, स्वार्थ पोषित राजनीति का प्रतिकार करते हुए एक आदर्श राजनीतिज्ञ, विश्व मोहिनी बंसी बजैया के रूप में सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ, बृजवासियों के समक्ष प्रेमावतार, सुदामा के समक्ष एक आदर्श मित्र, सुदर्शन चक्रधारी के रूप में एक योद्धा व सामाजिक क्रान्ति के प्रणेता हैं। उनके जीवन की छोटी से छोटी घटना से यह सिद्ध होता है कि वे सर्वैश्वर्य सम्पन्न थे। धर्म की साक्षात मूर्ति थे। कुशल राजनीतिज्ञ थे। सृष्टि संचालक के रूप में एक महाप्रबंधक थे।

श्रीकृष्ण की समय-नियोजन क्षमता अद्भुत थी। 64 दिन में 64 कलाओं का ज्ञान प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि जीवन में सीखने की गति और बहुआयामी दक्षता ही नेतृत्व की असली पहचान है। वे संगीत, नृत्य, युद्धकला, राजनीति, कूटनीति और दर्शन-हर क्षेत्र में पारंगत थे। एक श्रेष्ठ प्रबंधक की तरह उन्होंने न केवल अपनी क्षमताओं का विकास किया, बल्कि अपने समय और संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग भी किया। श्रीकृष्ण की राजनीतिक दृष्टि इतनी सूक्ष्म थी कि वे राजसत्ता को धर्मसत्ता के अधीन रखना चाहते थे। उनके जीवन में राष्ट्रहित सर्वोपरि था। उन्होंने विषमताओं को समाप्त करने, शत्रुता मिटाने और समाज में सामंजस्य स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास किया। उनके लिए सत्ता कोई व्यक्तिगत लाभ का साधन नहीं, बल्कि लोककल्याण का माध्यम थी। आवश्यकता पड़ने पर उन्होंने सत्ता का त्याग करने में भी संकोच नहीं किया। उनका ग्रामीण संस्कृति के प्रति प्रेम भी उल्लेखनीय है। माखनचोर की उनकी छवि केवल बाललीला नहीं, बल्कि उस समय की निरंकुश कर-व्यवस्था का प्रतिकार और ग्रामीण स्वावलंबन का समर्थन भी थी। उन्होंने गायों, ग्वालों और उनके उत्पादों को सम्मान और संरक्षण दिया, जिससे गांवों की आत्मनिर्भरता बनी रहे।

आज जब हम प्रबंधन की बात करते हैं तो यह केवल कॉर्पोरेट, व्यापार या राजनीति तक सीमित नहीं है। यह जीवन की हर परिस्थिति में लागू होता है, चाहे वह व्यक्तिगत विकास हो, सामाजिक नेतृत्व हो या राष्ट्रीय पुनर्निर्माण। श्रीकृष्ण के जीवन से हम सीख सकते हैं कि स्थिर मन, समय पर निर्णय, संसाधनों का सही उपयोग, और नैतिकता का पालन-ये सभी किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनिवार्य हैं। श्रीकृष्ण का सम्पूर्ण जीवन सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, धर्मपालन, और समय-सम्बद्ध रणनीति का जीवंत उदाहरण है। उनके सिद्धांतों को अपनाकर ही भारत आत्मनिर्भर, शक्तिशाली और सांस्कृतिक दृष्टि से संपन्न बन सकता है। जैसे उन्होंने कहा-'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति' जब भी अन्याय बढ़ेगा, तब एक श्रीकृष्ण का अवतरण होगा, और वह न केवल धर्म की पुनर्स्थापना करेगा बल्कि प्रबंधन की उस कला को भी जीवित रखेगा, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र तीनों को संतुलित रूप से आगे बढ़ाती है। श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव-जन्माष्टमी पर आज भारत का निर्माण उनकी शिक्षाओं, जीवन-आदर्शों, प्रबंधन-कौशल एवं सिद्धान्तों पर करने की अपेक्षा है, तभी हिन्दू सशक्त होंगे, तभी भारत सही अर्थों में हिन्दू राष्ट्र बन सकेगा।

नजरिया

आजादी के 78 वर्षों में कितने बदले लोकतंत्र के हालात?

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

प्रत्येक भारतवासी के लिए 15 अगस्त का दिन गौरव का दिन है क्योंकि इसी दिन भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्ति मिली थी। हालांकि स्वतंत्रता दिवस को लेकर आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में वही जज्बा और उत्साह समाहित है लेकिन जब हर वर्ष स्वतंत्रता के प्रतीक तिरंगे के नीचे खड़े होकर बहुत सारे ऐसे जनप्रतिनिधियों को देश की रक्षा व प्रगति का संकल्प लेते देखते हैं, जो वर्षभर सरेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते देखे जाते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि आखिर ऐसी संकल्प अदायगी से देश को हासिल क्या होता है? देश को आजाद हुए सात दशक से अधिक हो चुके हैं लेकिन आजादी के इन 78 वर्षों में लोकतंत्र के पवित्र स्थल संसद और विधानसभाओं के हालात किस कदर बदले हैं, वह किसी से छिपा नहीं है, जहां अभद्रता की सीमा पार करते जनप्रतिनिधि गाली-गलौच, उठापटक से लेकर कुर्ता-फाड़ राजनीति तक उतर आते हैं। विधानसभाओं की तो क्या बात करें, जब संसद की कार्यवाही ही कभी विपक्ष और कभी स्वयं सत्ता पक्ष द्वारा ही कई-कई दिनों तक लगातार नहीं चलने दी जाए तो राष्ट्र के लिए इससे ज्यादा चिंतनीय स्थिति और क्या हो सकती है? संसद में होने वाले ऐसे हंगामों के कारण प्रति मिनट आम आदमी के करीब ढ़ाई लाख रुपये बर्बाद होते हैं यानी हर एक घंटे में करीब डेढ़ करोड़ रुपये खर्च होते हैं। अब चूंकि संसद की कार्यवाही प्रतिदिन 6 घंटे चलनी होती है, ऐसे में संसद के दोनों सदनों में दोनों पक्षों के विरोध, हो-हल्ले और शोर के कारण जनता के खून-पसीने की कमाई के प्रतिदिन करीब 9 करोड़ रुपये से अधिक बर्बाद हो जाते हैं।

गंभीर चिंतन का विषय है कि वर्षों की गुलामी के बाद मिली आजादी को आज हम जिस रूप में संजोकर रख पाए हैं, वह 78 वर्षों में ही कितना विकृत हो चुका है। आजादी के दीवानों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिस देश को आजाद कराने के लिए वे इतनी कुर्बानियां दे रहे हैं, वहां कुछ दशकों में ही आजादी की तस्वीर ऐसी हो जाएगी। हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए और विकास के अनेक सोपान तय किए हैं। तकनीकी कौशल हासिल करते हुए देश अंतरिक्ष तक जा पहुंचा है और चांद पर भी तिरंगा लहरा दिया है। लेकिन महिलाओं से दुर्व्यवहार की लगातार बढ़ती घटनाएं और समाज में अपराधों की बढ़ती सीमा को देख बुजुर्ग तो अब कहने लगे हैं कि गुलामी के दिन तो आज की आजादी से कहीं बेहतर थे, जहां अपराधों को लेकर मन में भय तो व्याप्त रहता था किन्तु कड़े कानून बना दिए जाने के बावजूद अपराधियों के मन में अब किसी तरह का भय नहीं दिखता। सैयां भये कोतवाल तो डर काहे का' कहावत हर कहीं चरितार्थ हो चली है। देश के कोने-कोने से सामने आते अबोध बच्चियों और महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों के बढ़ते मामले आजादी की बेहद शर्मनाक तस्वीर पेश कर रहे हैं। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ जिस तरह की दरिंदगी की गई है, ऐसे मामलों को देखते हुए और क्या कहा जाए? देश में महंगाई सुरसा की तरह बढ़ रही है, आतंकवाद की घटनाएं पग पसार रही हैं, आरक्षण की आग रह-रहकर देश को जलाती रहती है। इस तरह के हालात निश्चित तौर पर देश के विकास के मार्ग में बाधक बनते हैं। हर कोई सत्ता के इर्द-गिर्द राजनीतिक रोटियां सेंकता नजर आ रहा है, कोई सत्ता बचाने में लगा है तो कोई गिराने में। संसद और विधानसभाओं में हंगामे आए दिन की बात हो गई है।

आजादी के बाद सामाजिक और आर्थिक पहलू पर देश में कमजोर तबके का स्तर सुधारने की नीयत से लागू आरक्षण के राजनीतिक रूप ने देश को आज उस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां समूचा देश रह-रहकर जातीय संघर्ष के बीच उलझता दिखाई देता है। स्वार्थपूर्ण राजनीति ने माहौल को इस कदर विकृत कर दिया है, जहां से निकल पाना संभव ही नहीं दिखता। राजस्थान हो या उत्तर प्रदेश, हरियाणा हो या गुजरात अथवा महाराष्ट्र, आरक्षण के नाम पर उठते विध्वंसक आन्दोलनों की आग में से जब-तब बुरी तरह झुलसते रहे हैं और हर कोई इस तरह के परिवेश का राजनीतिक लाभ लेने की कवायद में जुटा नजर आता है। आजादी के बाद के इन करीब साढ़े सात दशकों में भ्रष्टाचार और अपराध इस कदर बढ़ गए हैं कि आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। बगैर लेन-देन के प्रायः कोई कार्य सम्पन्न नहीं होता। बड़े नेता की तो कौन कहे, छुटभैया नेताओं की भी चांदी हो चली है। आजादी के बाद लोकतंत्र के इस बदलते स्वरूप ने आजादी की मूल भावना को बुरी तरह तहस-नहस कर डाला है। यह आजादी का एक शर्मनाक पहलू ही है कि गिने-चुने मामलों को छोड़कर हत्या, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे संगीन अपराधों से विभूषित जनप्रतिनिधि अक्सर सम्मानित जिंदगी जीते रहते हैं। देश के ये बदले हालात आजादी के कौनसे स्वरूप को उजागर कर रहे हैं, विचारणीय है।

ऐसे बदरंग हालातों में यह सवाल रह-रहकर सिर उठाने लगता है कि आखिर कैसी है ये आजादी? आखिर आजादी का अर्थ क्या है? इस प्रश्न का उत्तर तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि यह न जान लिया जाए कि स्वतंत्र होना आखिर कहते किसे हैं? देश को? व्यक्ति को? समाज को? यह जानना भी जरूरी है कि क्या कुछ बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित व्यक्ति, समाज या देश को स्वतंत्र कहा जा सकता है? क्या भोजन, कपड़ा और रहने की व्यवस्था, बीमारी से बचाव, भय-आतंक, शोषण व असुरक्षा से छुटकारा, साक्षर एवं शिक्षित होने के पर्याप्त अवसर मिलना और अन्य ऐसी ही कई बातें मानव के बुनियादी अधिकार नहीं हैं?

क्या शोषण और उत्पीड़न से मुक्ति के संघर्ष को मानव का बुनियादी अधिकार नहीं माना जाना चाहिए? लोकतंत्र के हाशिये पर खड़ी देश की जनता को इस दिशा में फिर से मंथन करना आवश्यक हो गया है कि वह किस तरह की आजादी की पक्षधर है? आज की आजादी, जहां तन के साथ-साथ मन भी आजाद है, सब कुछ करने के लिए, चाहे वह वतन के लिए अहितकारी ही क्यों न हो, या उस तरह की आजादी, जहां वतन के लिए अहितकारी हर कदम पर बंदिश हो। आज की आजादी, जहां स्वहित राष्ट्रहित से सर्वोपरि होकर देशप्रेम की भावना को लीलता जा रहा है, या वह आजादी, जहां राष्ट्रहित की भावना सर्वोपरि स्वरूप धारण करते हुए देश को आजाद कराने में गुमनाम लाखों शहीदों के मन में उपजे देशप्रेम का जज्बा सभी में फिर से जागृत कर सके। इस तरह के परिवेश पर सभी देशवासियों को आजादी के इस पावन पर्व पर सच्चे मन से मंथन कर सही दिशा में संकल्प लेने की भावना जागृत करनी होगी, तभी आजादी के वास्तविक स्वरूप को परिलक्षित किया जा सकेगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

गरीबी और अशिक्षा के खिलाफ लड़ाई ही भारत की असली ताकत : ईशा कोप्पिकर

मुंबई/एजेन्सी

भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर, अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने देश के सामने मौजूद सामाजिक चुनौतियों पर एक भावुक संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि राजनीतिक स्वतंत्रता तो हासिल कर ली गई है, लेकिन भारत की असली परीक्षा अब गरीबी और अशिक्षा से मुक्ति पाने में है। ईशा ने अपने बयान में कहा, जब हम अपना तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्रगान गाते हैं, तो हमें उन दो सबसे बड़े दुश्मनों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो आज भी हमारे देश को पीछे धकेल रहे हैं। उन्होंने देश की ऐतिहासिक स्वतंत्रता की लड़ाई की तुलना आज की इन चुनौतियों से करते हुए कहा कि सच्ची स्वतंत्रता तभी मिलेगी जब हर नागरिक को बुनियादी ज़रूरतें और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी।

ईशा ने नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी पर ज़ोर देते हुए कहा, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दिलाई थी, लेकिन आज हमारे देश की असली परीक्षा तब होगी जब कोई बच्चा भूखा न सोए और कोई युवा शिक्षा से वंचित न रह जाए।

यह हमारी नई आज़ादी की लड़ाई है, जिसमें हर भारतीय की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल यह याद करने का दिन नहीं है कि हमने क्या हासिल किया है, बल्कि यह सोचने का भी अवसर है कि हमें अभी और क्या-क्या पाना है। ईशा ने सभी से उसी दृढ़ संकल्प को अपनाने का आग्रह किया, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया था, ताकि गरीबी और अशिक्षा को खत्म किया जा सके।

मेलबर्न में भारतीय फिल्म महोत्सव शुरू; आमिर खान मुख्य अतिथि

नई दिल्ली/भाषा। 'इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न' (आईएफएफएम) 2025 की शुरुआत भव्य तरीके से हुई, जिसमें आमिर खान, वीर दास और तिलोत्तमा शोम सहित अन्य कलाकार शामिल हुए।

कार्यक्रम में जिम सर्भ, अदिति राव हैदरी, फिल्म निर्माता शूजित सरकार, अश्विनी अय्यर तिवारी, तनुश्री दास और आर.एस. प्रसन्ना के साथ-साथ मुकेश छाबड़ा भी मौजूद थे।

महोत्सव के मुख्य अतिथि आमिर खान ने कहा, मेलबर्न में आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं मेलबर्न भारतीय फिल्म महोत्सव का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। यह सिनेमा की एक बेहतरीन पहल है जो लोगों और संस्कृतियों को एक साथ लाती है। मुझे यकीन है कि महोत्सव में प्रदर्शित होने वाली फिल्मों और शामिल हुए फिल्म निर्माताओं को एक शानदार अनुभव मिलेगा।

महोत्सव निदेशक मितु भौमिक लांगे ने कहा कि आईएफएफएम अविश्वसनीय कहानियों, असाधारण प्रतिभा और सीमाओं से परे सिनेमा के लिए साझा जुनून का संगम है। उन्होंने कहा कि इतने सारे प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति के साथ इस वर्ष का महोत्सव न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव है, बल्कि यह भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंधों को मजबूत करने वाला एक सेतु भी है।

आईएफएफएम का 16वां संस्करण 14 अगस्त से 24 अगस्त तक चलेगा।

स्वतंत्रता दिवस

पटना महिला महाविद्यालय की छात्राएँ गुरुवार को पटना में 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 'विविधता में एकता, भारत की विशेषता' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेती हुईं।

तिरंगा यात्रा

हैदराबाद में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार को रामनगर से बाघलिंगमपल्ली तक तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई।

ट्रंप-पुतिन मुलाकात में चीजें ठीक नहीं रहीं तो भारत पर बढ़ सकता है शुल्कः अमेरिकी वित्त मंत्री

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने चेतावनी दी है कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की शुक्रवार को होने वाली मुलाकात में 'चीजें ठीक नहीं रहीं' तो भारत पर शुल्क बढ़ सकते हैं।

ट्रंप ने पिछले सप्ताह भारत पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगाये जाने की घोषणा की। इसमें रूस से तेल की खरीद जारी रखने पर जुर्माने के तौर पर लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल हैं। यह अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क 27 अगस्त से लागू होगा। बेसेंट ने बुधवार को 'ब्लूमबर्ग' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि राष्ट्रपति पुतिन से हर कोई निराश है। हमें उम्मीद थी कि वह ज्यादा खुलकर बातचीत करेंगे। ऐसा लग रहा है कि वह संवाद के लिए तैयार हो सकते हैं। और हमने रूसी तेल खरीदने के लिए भारतीयों पर द्वितीयक (अतिरिक्त) शुल्क लगा दिया है। मुझे लगता है कि अगर चीजें ठीक नहीं रहीं, तो अतिरिक्त शुल्क बढ़ सकते हैं।

वित्त मंत्री ने रूस से कच्चे तेल के मुख्य खरीदार चीन के बारे में पूछे जाने पर कहा कि राष्ट्रपति (ट्रंप) अपने लिए लाभ की स्थिति बनाने में सर्वश्रेष्ठ हैं और वह राष्ट्रपति पुतिन के सामने यह स्पष्ट कर देंगे कि सभी विकल्प खुले हुए हैं। अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति 15 अगस्त को अलास्का में बैठक करने वाले हैं। इस दौरान रूस एवं यूक्रेन के बीच जारी जंग को खत्म करने पर मुख्य रूप से बातचीत होने वाली है। बेसेंट ने रूस पर लगे प्रतिबंधों में बढ़ोतरी या कटौती की संभावना के बारे में पूछे जाने पर कहा, प्रतिबंध बढ़ाए जा सकते हैं, उन्हें कम किया जा सकता है। उनकी एक निश्चित अवधि हो सकती है। वे अनिश्चित काल तक जारी रह सकते हैं। आप जानते हैं, दुनिया भर में रूसी जहाजों का एक छद्म बेड़ा है, जिस पर मुझे लगता है कि हम कार्रवाई कर सकते हैं।

इसके साथ ही अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा कि भले ही ट्रंप की पुतिन से मुलाकात होने वाली है, लेकिन यूरोपीय देशों को 'साथ आने' और ये अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ट्रंप यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें यूरोपीय देशों के साथ आने और और ज्यादा ताकत बनाने में मदद की जरूरत है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी शुल्क पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि भारत को निशाना बनाना अनुचित और अविवेकपूर्ण है। मंत्रालय ने कहा, किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा।

कुत्तों के मुद्दे पर सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, समाज के रूप में हम कितने भाव शून्य हो चुके हैं

नयी दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने दिल्ली-एनसीआर से कुत्तों को किसी दूसरी जगह भेजने से संबंधित उच्चतम न्यायालय के निर्देश की आलोचना करते हुए इसे निराशाजनक बताया। सोनाक्षी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, दिन-ब-दिन हम यह दिखा रहे हैं कि एक समाज के रूप में हम कितने भावशून्य हो गए हैं। हर दिन निराशाजनक है। उन्होंने लिखा, आवारा कुत्ते कोई समस्या नहीं हैं। वे पीड़ित हैं। भय, भूख, बीमारी, उपेक्षा, क्रूरता और परित्याग के शिकार। वे बिना आश्रय, बिना टीकाकरण, बिना नसबंदी के रहते हैं। सड़कों पर बच्चों को जन्म देते हैं, और अपने बच्चों को भी इसी तरह के हालात का सामना करते देखते हैं। उन्होंने कहा कि कुत्तों को भीड़भाड़ वाले आश्रय स्थलों में भेजने से वे अपनी आजादी खो देंगे। यह पशु कल्याण नहीं है। आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण ही असली व मानवीय समाधान है।

वीर दास, जाह्नवी कपूर, वरुण धवन और वरुण ग्रोवर समेत कई हस्तियों ने इस निर्देश की आलोचना की है। जॉन अब्राहम ने भी उच्चतम न्यायालय और दिल्ली सरकार को संबोधित करते हुए एक पत्र लिखा है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि आवारा कुत्तों के काटने से खासकर बच्चों में रेबीज होने की समस्या बेहद गंभीर है। अदालत ने दिल्ली के अधिकारियों को छह से आठ हफ्तों में लगभग 5,000 कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाने का काम शुरू करने का निर्देश दिया है।

देश की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी देवी चौधुरानी' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भारत की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी की कहानी पर आधारित बहुप्रतीक्षित फिल्म 'देवी चौधुरानी' का टीजर दुनिया भर में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जारी कर दिया गया है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुभ्रजीत मित्रा द्वारा निर्देशित इस महाकाव्य फिल्म में स्राबंती चटर्जी देवी चौधुरानी के मुख्य किरदार में हैं, जबकि प्रसेंजीत चटर्जी रहस्यमयी विद्रोही नेता भवानी पाठक की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म भारतीय सिनेमा के लिए एक ऐतिहासिक पल है, क्योंकि यह खइ मंत्रालय द्वारा थर्रीशी 2025 में आधिकारिक इंडो-यूके सह-निर्माण का दर्जा पाने वाली पहली भारतीय फिल्म है। टीजर में प्रसेंजीत चटर्जी का यह संवाद, धातुओं में, तुम उल्का हो, दर्शकों के बीच पहले ही काफी लोकप्रिय हो चुका है। यह संवाद देवी के अटूट साहस और दृढ़ता को दर्शाता है, जो अपने समय से कहीं आगे की महिला थी।

प्रसेंजीत चटर्जी ने इस पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, यह गर्व का क्षण है कि बंगाल की कहानी, जो हमारी मिट्टी, भाषा और इतिहास से जन्मी है, दुनिया के सबसे बड़े मंच पर चमक रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल के लिए, देवी असाधारण, अडिग और अविस्मरणीय हैं। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की दंतकथा पर आधारित इस फिल्म में सब्यसाची चक्रवर्ती, अर्जुन चक्रवर्ती, दर्शना बैनिक जैसे कलाकार भी हैं। फिल्म का संगीत ग्रैमी-नामांकित पंडित बिक्रमा घोष ने दिया है। फिल्म के निर्माताओं ने संयुक्त बयान में कहा कि 'देवी चौधुरानी' केवल बंगाल की नहीं, बल्कि पूरे भारत की कहानी हैयह प्रतिरोध, गरिमा और साहस की अदम्य गाथा है।

सोहा अली खान ने बताए फिट रहने के राज

मुंबई/एजेन्सी

शाही परिवार से नाता रखने वाली अभिनेत्री सोहा अली खान फिटनेस के साथ-साथ हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया पर जिम में एक्सरसाइज करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह जिम में वॉल पुशअप्स, नी पुशअप, इंकलाइन पुशअप, वन नी पुशअप करती और मजाकिया अंदाज में लिप बाम लगाती नजर आ रही हैं। इसके साथ हीं वह लोगों को पुशअप के फायदे भी बताती दिख रही हैं। बता दें, वॉल पुशअप एक शुरुआती-अनुकूल व्यायाम है, जो छाती, कंधे और बाहों की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है। यह व्यायाम पारंपरिक पुशअप की तुलना में जोड़ों पर कम दबाव डालता है। वहीं, नी पुशअप उन लोगों के लिए बेहतर और आरामदायक है जो अभी वर्कआउट की शुरुआत कर रहे हैं या जिनके हाथों या कलाई में चोट है। नी पुशअप शरीर के ऊपरी हिस्से की मांसपेशियों, जैसे छाती, कंधे और ट्राइसेप्स को मजबूत करने में मदद करता है। इंकलाइन पुशअप एक बहुत ही प्रभावी एक्सरसाइज है जो छाती, कंधे और ट्राइसेप्स की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। यह उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है जो अभी-अभी पुशअप करना शुरू कर रहे हैं, क्योंकि यह सामान्य पुशअप से थोड़ा आसान होता है। अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया, पुशअप सिर्फ लड़कों के लिए नहीं होते! अगर आप करना चाहते हैं, तो ऐसे शुरू करें- पहले घुटनों के बल पुशअप करें, फिर थोड़ा ऊपर उठकर (किसी मेज या बेंच पर) पुशअप करें और आखिर में पूरी तरह से जमीन पर पुशअप करें।

'बागी 4' से सामने आया हरनाज़ संधू का पोस्टर

मुंबई/एजेन्सी

मिस यूनिवर्स 2021 का ताज पहनकर दुनिया जीतने वाली हरनाज़ संधू अब बड़े परदे पर जीत का झंडा गाड़ने को तैयार हैं और इस बार, हाथ में ताज नहीं, हथियार है! साजिद नाडियाडवाला के नाडियाडवाला ग्रेंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले, और निर्देशक ए. हर्षा की अगुवाई में, वो कर रही हैं अपना बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड डेब्यू बागी 4 में। कल रिलीज़ हुआ टीज़र इंटरनेट पर तूफ़ान मचा रहा है फैंस हरनाज़ के धांसू एक्शन सीन देखकर दंग रह गए। डेब्यू के लिए ऐसा जबरदस्त और अनोखा चुनाव शायद ही किसी ने किया हो।

जहां एक तरफ़ वो ताज और सजीले अंदाज़ से दुनिया को मोहित कर चुकी हैं, वहीं अब वो हथियार थामे जंग के मैदान में उतरने को तैयार हैं। नए पोस्टर में हरनाज़ काले स्लिट गाउन में, हाथ में भारीभरकम बंदूक़ थामे, कैमरे में घातक नज़रों से देखती हुई ख़तरा, हुस्न और पावर का ऐसा कॉम्बो जिसे नज़रअंदाज़ करना नामुमकिन है। इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, ताज से तबाही तक उसकी नज़रें सिर्फ़ मोहती नहीं, जीत लेती हैं टीज़र पर मिले प्यार के लिए शुक्रिया!

कहानी, पटकथा और निर्माण साजिद नाडियाडवाला (नाडियाडवाला ग्रेंडसन एंटरटेनमेंट), निर्देशन ए. हर्षा, और स्टारकास्ट टाइगर श्रॉफ, हरनाज़ संधू, संजय दत्त। बागी 4 में मिलेगा हड्डी-तोड़ एक्शन, धमाकेदार ड्रामा और खून-पसीने से लथपथ फाइनल शो डाउन। 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही बागी 4 के टीज़र ने पहले ही ट्रेंड पकड़ लिया है, और हरनाज़ का यह खतरनाक अवतार इंटरनेट पर आग लगा रहा है। उनका ये डेब्यू शायद बॉलीवुड इतिहास की सबसे चर्चित एंट्रीज़ में से एक बन जाए!

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस : कई हिंदी फिल्मों ने दिखाया बंटवारे का दर्द, संवेदनाओं को पर्दे पर संजीदगी से उकेरा

मुंबई/एजेन्सी

1947 का वह दिन, जब देश के बंटवारे के दौरान नफरत और हिंसा की वजह से अनगिनत लोग बेघर हो गए और उन्हीं की याद में 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाया जाता है। इस विभाजन में कइयों के घर छूटे, अपने छूटे, दिल टूटा और आंखों में बस गया वह भयानक मंजर जो आज भी दिल दहला देता है। उस दौर की दुश्वारियों को दिखाती और कई संवेदनशील मुद्दों को छूती फिल्में बॉलीवुड ने हमें दी हैं। चंद्रप्रकाश द्विवेदी की 'पिंजर' अमृता प्रीतम के उपन्यास पर आधारित है, जो विभाजन के दौरान महिलाओं की पीड़ा को दिखाती है। साल 2003 में आई फिल्म में उर्मिला मातोंडकर के निभाए 'पूरो' के किरदार को दर्शकों से काफी प्यार मिला। पूरो एक हिंदू लड़की रहती है, जिसका एक मुस्लिम युवक (मनोज बाजपेयी) अपहरण कर लेता है। यह फिल्म सामाजिक बंधनों, नफरत और मानवता के बीच की जटिलताओं को उजागर करती है। 'पिंजर' विभाजन की त्रासदी को बखूबी प्रस्तुत करती है, जो उसके दर्द के बारे में दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देती है। फिल्म के हर एक सीन में भावनाएं भर-भरकर डाली गई हैं।

साल 2003 में आई सबीहा सुमर की फिल्म 'खामोश पानी' पाकिस्तान में बसे एक गांव की कहानी है, जहां विभाजन की यादें एक महिला और उसके बेटे के जीवन की कहानी को कहती हैं।

किरण खेर की दमदार एक्टिंग इस फिल्म को यादगार बनाती है। इंडो-पाकिस्तानी फिल्म एक पंजाबी गांव में रहने वाली विधवा मां और उसके बेटे के बारे में है। एक पाकिस्तानी गांव में फिल्माई गई यह फिल्म भारत में भी रिलीज हुई थी। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी 'गदर' विभाजन के दौरान की प्रेम और बलिदान की कहानी को पर्दे पर पेश करती है। साल 2001 में आई इस फिल्म में सनी देओल और अमीषा पटेल लीड रोल में हैं। यह फिल्म एक सिख ट्रक ड्राइवर तारा सिंह और मुस्लिम लड़की सकीना की प्रेम कहानी को पर्दे पर उतारती है। विभाजन की हिंसा और नफरत के बीच तारा अपनी पत्नी और बेटे को बचाने के लिए पाकिस्तान जाता है। 'गदर' ने विभाजन के दर्द को संवेदनशीलता के साथ पेश किया है।

'1947: अर्थ' एक इंडो-कैनेडियन पीरियड रोमांस ड्रामा फिल्म है, जो 1999 में बनी है, जिसका निर्देशन दीपा मेहता ने किया है। यह बाप्सी सिधवा के उपन्यास 'क्रैकिंग इंडिया' पर आधारित है, जो 1947 के भारत विभाजन के समय की कहानी है। कहानी लाहौर में 1947 में भारतीय स्वतंत्रता के समय भारत के विभाजन से ठीक पहले और उसके दौरान की है। पोलियो से ग्रस्त 'लेनी', एक धनी पारसी परिवार की लड़की रहती है, जो अपनी कहानी सुनाती है। उसके माता-पिता, बंटी और रुस्तम, और आया शांता उसकी देखभाल करते हैं। शांता के प्रेमी, दिल और हसन, और उनके अलग-अलग धर्मों के दोस्त पार्क में समय बिताते हैं।

विभाजन के दंश का असर उनकी जिंदगी में भी देखने को मिलता है। खुशवंत सिंह के उपन्यास पर आधारित पामेला रुक्स की फिल्म 'ट्रेन टू पाकिस्तान' साल 1998 में आई थी। यह एक पंजाबी गांव की कहानी बयां करती है, जहां सिख और मुस्लिम समुदाय शांति से रहते हैं। लेकिन, विभाजन की हिंसा गांव को भी अपनी चपेट में ले लेती है। ट्रेन दृश्य, जिसमें लाशों से भरी रेलगाड़ी गांव पहुंचती है, विभाजन की भयावहता को दिखाता है।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि राग और द्वेष की अधिकता के बीच सुख-शांति की परिकल्पना असंभव है।

छत्तीसगढ में आयोजित हुआ चित्रकोट-कन्नड़-छत्तीसगढ़ी संगम कार्यक्रम

■ दो दिवसीय कार्यक्रम में दिखी छत्तीसगढ़ व कर्नाटक की संस्कृति की झलक

■ पहले दिन इंद्रावती नदी में हुआ कावेरी, महानदी और तुंगभद्रा नदी के जल का संगम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काशी तमिल संगम से प्रेरित होकर और भारत की भाषाई समरसता और भावात्मक एकता को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में छत्तीसगढ़ बस्तर जिले के चित्रकोट में 9 अगस्त को जलप्रपात के पास कन्नड़–छत्तीसगढ़ी संगम कार्यक्रम का प्रथम चरण संपन्न हुआ। अगले दिन 10 अगस्त को जगदलपुर में दिनभर विभिन्न सत्रों में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह जानकारी आयोजन समिति के संयोजक व वरिष्ठ पत्रकार आकाश वर्मा ने बेंगलूरु के प्रेस क्लब में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में समिति के सदस्यों व उपस्थित अतिथियों ने इंद्रावती नदी के तट पर आपसी संगम के द्योतक के रूप में कावेरी, महानदी और तुंगभद्रा नदी के पवित्र जल को इन्द्रावती नदी में मिलाया।

वर्मा ने बताया कि इस जल संगम कार्यक्रम के बाद एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन जगदलपुर के संभागीय मुख्यालय के एक होटल में किया गया। इस दो दिवसीय सांस्कृतिक और बौद्धिक सम्मेलन में कर्नाटक और छत्तीसगढ़ की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों, कलाकारों, राजघरानों के वंशजों और नागरिकों को एकजुट किया गया। इस मौके पर विजयनगर राजघराने के कृष्ण देवराय, सिरसी की यक्षगान कलाकार निर्मला हेगड़े, विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) सुदर्शन, टेकविद अधिवक्ता उदय रघुनाथ बिरजे, कर्नाटक व तमिलनाडु से प्रकाशित हिंदी दैनिक दक्षिण भारत राष्ट्रमत के समूह सम्पादक श्रीकांत पाराशर, सुप्रसिद्ध गायक व कलाकार पद्मिनी ओक, वरिष्ठ सम्पादक एनडीटीवी के सुमित अवस्थी, जयदीप कार्णिक, संस्कार भारती संस्था के वरिष्ठ प्रचारक रविकुमार अय्यर, रायपुर के निवासी, दिल्ली प्रवासी टीवी कार्यक्रमों में प्रवक्ता मोहम्मद फैज खान, नासिक से सांस्कृतिक दूत रवि बाडेकर आदि शामिल हुए। जगदलपुर के मेयर संजय पांडे ने हवाई अड्डे पर सभी अतिथियों का स्वागत किया। सभी अतिथियों ने बस्तर स्थित दंतेश्वरी माता मंदिर के दर्शन किए तथा बस्तर के राजा कमल कुमार भंज से सौहार्द भेंट की।भारत के नियाग्रा फॉल के नाम से प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का भ्म्रण किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुई।

आकाश वर्मा ने पत्रकारों से कहा कि देश भर में गत कई दशकों से बस्तर की पहचान केवल नक्सली और नकारात्मक गतिविधियों के लिए होती रही है जिसको बदलने तथा दो राज्यों के बीच परस्पर लौह प्रगाढ़ हो इस के प्रयास में यह आयोजन किया गया जो कि बहुत ही सफल रहा। वर्मा ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम उसी प्रयास की ओर उठाया हुआ एक कदम है जिससे बस्तर को एक अलग पहचान मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम की संकल्पना स्वयं उनकी व जम्मू–कश्मीर की शिक्षिका व उनकी धर्मपत्नी सीमा महरोत्रा वर्मा की है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुछ अतिथियों ने अपने अनुभव साझा किए और कहा कि ऐसे आयोजन विभिन्न प्रदेशों में होने चाहिए।

राग-द्वेष की परंपरा बहुत खतरनाक है : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि राग और द्वेष की अधिकता के बीच सुख–शांति की परिकल्पना असंभव है।

जैन परंपरा की समस्त साधना–आराधनाओं का यही मूल उद्देश्य है कि हम राग–द्वेष कम कर अपने आत्मभावों मे रमणता करें। अगर राग–द्वेष को कम करने का प्रयत्न नहीं होता है तो सारी साधना व्यर्थ है। जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में धाराप्रवाह बोलते हुए जैनाचार्य ने कहा कि राग–द्वेष को मनोविज्ञान के संदर्भ में समझने की सख्त आवश्यकता है। वर्तमान जगत इस दोनों की भीषण आग में स्वाहा हो रहा है। क्रोध, वैर, हिंसा, घृणा, तिरस्कार, ईर्ष्या, कपट, मनमुटाव, भेदभाव आदि द्वेष की कोंख से जन्म लेते हैं। जबकि प्रेम, वासना, पक्षपात, इच्छा–तृष्णा, आसक्ति, माया, ममत्व आदि भावनात्मक दुर्गुण राग से पैदा होते हैं। मरते दम तक मनुष्य और पशु–पक्षी इनसे परेशान होते रहते हैं, जिनके मन में राग–द्वेष कम होते हैं, वे निराला जीवन जीते हैं। संसार के लिए ऐसे लोग शुभ होते हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि प्रकृति द्वंद्व की व्यवस्था है। राग और द्वेष संसार के मूल बीज हैं। इन दोनों से ही सारी समस्याओं का जन्म होता है। इन्हें क्षीण बनाकर और अंततः इनसे मुक्त होकर ही परम सुख–शांति की अनुभूति की जा सकती है। ये संसार के दो ऐसे खतरनाक पाटे हैं, जिनकी चपेट में कोई साबुत नहीं बचता। द्वेषभाव स्पष्ट दिखाई देता है, राग के रूपरंग स्पष्ट दिखाई नहीं देते, लेकिन सचाई यह है कि दोनों ही मनःस्थितियां दुःखदाई हैं। द्वेष की अपेक्षा राग अधिक खरतनाक है। चरक ऋषि ने मनुष्य के मन और तन के स्वास्थ्य की चर्चा करते हुए कहा कि राग और द्वेष मानसिक रोग हैं, इन्हें कम करके ही रोगों को कम किया जा सकता है।

जैनदर्शन में राग–द्वेष से मुक्त आत्मा को ही भगवान माना जाता है। भगवान के लिए प्रयुक्त होते वीतराग शब्द का यही तात्पर्य है। जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि शुक्रवार को आचार्य विमलसागरसूरीश्वर व गणि पद्मविमलसागर के सान्निध्य में यहां राजस्थान व गुजरात के हिंदी व गुजराती भाषी सभी जाति–वर्गों के करीब तीन हजार से अधिक राष्ट्रभक्त नागरिक संयुक्त रूप से 79 वां स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे।

खेल शारीरिक व मानसिक शक्ति को बढ़ाते हैं : मुणोत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के कामाक्षीपाल्या संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन समारोह बुधवार को नेताजी खेल मैदान में आयोजित किया गया। इस मौके पर विजयनगर मारुति मेडिकल्स के प्रमुख महेंद्र मुणोत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

मुणोत ने बच्चों को प्रमाण पत्र, पदक और पट्टिकाएँ वितरित कीं। इस मौके पर मुणोत ने कहा कि कोई भी प्रतियागिता केवल हार–जीत का खेल नहीं है, यह एक ऐसी गतिविधि है जो शारीरिक और मानसिक शक्ति को बढ़ाती है और एक–दूसरे के साथ मित्रता और सह–अस्तित्व को भी बढ़ाती है।

इस मौके पर कामाक्षीपाल्या संकुल खेल अधिकारी रामकृष्ण, संसाधन व्यक्ति ईश्वरप्पा, तालुक शारीरिक निरीक्षक अशोक, क्षेत्र शिक्षा अधिकारी तारानाथ, क्षेत्र समन्वयक मंजूनाथ और स्कूल के शिक्षक बीजी रविकुमार उपस्थित थे जिन्होंने मुणोत का सम्मान किया।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी से मिले इंदर नाहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। गुरुवार को केंद्रीय कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद जोशी से उनके दिल्ली निवास स्थान पर कर्नाटक भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के महासचिव इंदर कुमार नाहर ने सौजन्य भेंट की।

इस भेंट के दौरान नाहर ने कर्नाटक में पार्टी की गतिविधियों और जैन समाज की समस्याओं के बारे में प्रहलाद जोशी से विस्तार से चर्चा की।

नाहर ने जैन समाज के विद्यार्थियों को सरकार की ओर से घोषित छात्रवृत्ति प्राप्त होने में आने वाली कठिनाइयों के बारे में बताया और सहयोग की अपील की।

उन्होंने कर्नाटक में जैन बोर्ड के गठन का भी निवेदन किया।ङ्गङ्गकेंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि वे केंद्रीय स्तर पर जैन समाज की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे मंत्री किरन रिजीजू से बात करेंगे और जैन समाज को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में चर्चा करेंगे।

आज का भारत स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर है: बिरला

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्वसंध्या पर बृहस्पतिवार को कहा कि आज का भारत स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर है। उन्होंने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी।

बिरला ने अपने संदेश में कहा, 15 अगस्त का यह दिन हर भारतीय के हृदय में गौरव, और आत्मसम्मान का भाव जगाता है। आज वह दिन है जब हम अपने अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों, क्रांतिकारियों और राष्ट्रनायकों का आभार व्यक्त करते हैं जिनके संघर्ष, त्याग, तपस्या और बलिदान के कारण हमें आज़ादी मिली। उन्होंने कहा कि यह देशवासियों के लिए गौरव का विषय है कि आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, हम विज्ञान, चिकित्सा, तकनीक, अंतरिक्ष, खेल जैसे क्षेत्रों में विश्व के अग्रणी देश के रूप में उभरे हैं। आज का भारत स्वाभिमानी भारत है, आत्मनिर्भर भारत है।

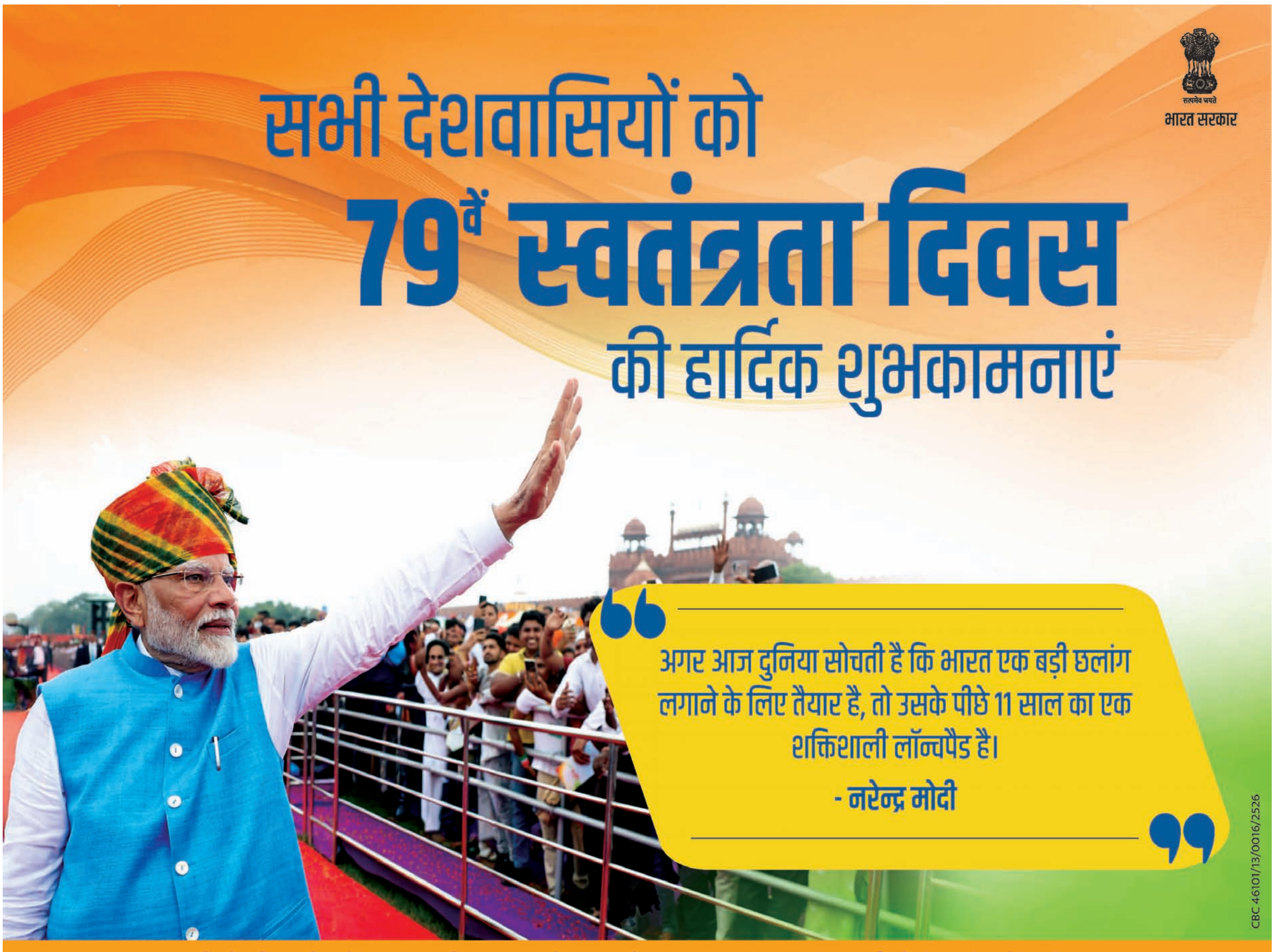

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com